

महाशिवरात्रि.... शिव.... शिव महिम्नस्तोत्र



शिव को समर्पित विशेष रात्रि को हम अपनी आध्यात्मिक ऊर्जा को दृढ़ता प्रदान करते हैं। शिव को सभी देवताओं के द्वारा महादेव की संज्ञा से विभूषित किया गया है। यह वही महадानी शिव है जिन्होने कुबेर को लक्ष्मी का खजानांचो नियुक्त किया। यह वही शिव है जिनकी आराधना राम ने की और रामेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं धाम की स्थापना हुई। यह वही शिव है जिनकी पांडवों ने आराधना की और शिव सदैव केदारनाथ में विराजमान हो गए। महादेव, लिंगराज रूप में विष्णु के साथ यानि हरि-हर स्वरूप में उड़ीसा में विराजते हैं। यह वही शिव है जो सती के प्रेम में तांडव नृत्य करते हैं, वर्षों तक अपनी पत्नी की प्रतीक्षा करते हैं। यह वही शिव है जो अर्धनारीश्वर स्वरूप में शिव-शक्ति के अद्वितीय रूप की भावना को उजागर करते हैं। शिव ही तो गजानन को प्रथम पूज्य बनाते हैं। महाकाल की आराधना द्वारा तो व्यक्ति मृत्यु पर भी विजय प्राप्त कर सकता है। शिव ही तो हैं जिन्होने कालकूट विष को ग्रहण कर, सभी को चिंता मुक्त किया। कितने भोले हैं शिव जो भस्मासुर को उसकी मनोकामना के अनुरूप वरदान दे दिया। कितने सतचरित्र हैं शिव जो अपनी बारात में भी सरल एवं सच्चे रूप में प्रत्यक्ष हुए। भूत-पिशाचों को जब कहीं आश्रय न मिला, तो शिव ने उन्हें भी अपने परिवार में संयुक्त कर लिया। ऋषि मार्कण्डेय



को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद भी शिव कृपा से ही मिला। महाशिवरात्रि पर हम शिवशक्ति की आराधना करते हैं। गृहस्थ जनों के लिए शिव परिवार एक आदर्श रूप है। शिवशक्ति के विवाह में शिव ने पार्वती की अनेकों रूप में परीक्षा ली, परन्तु माँ ने अपनी अटूट श्रद्धा और निष्ठा शिव के प्रति न्यून न होने दी। माँ ने शिव के सच्चे स्वरूप को पहचान लिया और उनके प्रति समर्पित हो गई। गृहस्थ जीवन की श्रेष्ठता तो शिव-पार्वती की शक्ति को समझने में निहित है। शिव परिवार तो एक अनुकरणीय परिवार है, जो कार्तिक और गणेश जैसे पुत्रों से सुशोभित है। यदि आप शिव परिवार का सूक्ष्म विश्लेषण करेंगे तो देखेंगे कि शिव का वाहन नन्दी बैल, माता का वाहन सिंह, एकदन्त गजानन का वाहन मूषक और कार्तिकेय का वाहन मयूर, शिव के गले में सर्प विद्यमान हैं। सर्प, चूहा, मोर यह सब जातिगत दृष्टि से

परम शत्रु की श्रेणी में आते हैं, वहीं सिंह और बैल भी उसी श्रेणी में आते हैं। पर शिव परिवार में तो बस सौहार्द और प्रेम का भाव ही परिलक्षित होता है। शिव की सहजता कितनी अनेखी है, सभी मंदिरों में शयन, भोग एवं श्रृंगार के अनेकों नियम हैं परंतु शिव मंदिर में तो समय की बाध्‍यता ही नहीं है। पूजा के लिए किसी संसाधन की उपलब्‍धता नहीं चाहिए। जल सरलता से सर्वत्र उपलब्‍ध है और शिव को जलधारा सर्वाधिक प्रिय है। शिव की सरलता की उत्‍कृष्‍ठा तो इससे भी परिलक्षित होती है कि वे सबसे फलदायी पूजा और आराधना पार्थिव शिवलिंग की मानते हैं, अर्थात भक्त मिष्‍ट्री से शिवलिंग का निर्माण कर मिष्‍ट्री में ही विलीन कर दे। विष को अपने भीतर रखकर भी स्वयं को उद्‍धेलित न होने देना एवं ध्यान में सदैव लीन रहना तो शिव की ही विशेषता हो सकती है। त्याग की चरमसीमा भी शिव ही दर्शाते हैं। कैलाश पर निवास, व्याघ्रचर्म, सर्पमाला, शरीर पर भस्‍म लगाकर आप यह सिद्ध करते हैं कि संसार में भोग पदार्थों में आनंद नहीं है बल्कि आत्‍मानंद से श्रेयस्‍कर कुछ भी नहीं। दशानन रावण को भी तीनो लोकों पर विजय होने का आशीर्वाद शिव ने ही दिया था। शिव की शक्ति का ज्ञान तो हमें तब भी होता है जब रावण ने कैलाश को उठाने का प्रयास किया तो आपने सिर्फ पेर के अंगूठे से उसे दबा कर भयभीत कर दिया। जिस गंगा के प्रवाह को देखकर हम आश्‍चर्यचकित हो जाते हैं उन्हें तो आपने अपनी जटाओं में कैद कर फिर उनमें स्‍थान दिया है। शिव ने कामदेव को तक्ष्‍ण भस्‍म कर दिया था। शिव के अपमान और अवहेलना के कारण ही दक्ष प्रजापति के

यज्ञ का विध्वंस हुआ। शिव ऐसे देव हैं जिनकी पूजा पाताललोक, मृत्युलोक और देवलोक में भी होती है। शिव को समर्पित अनेक स्‍तुति हैं, जैसे शिव तांडव स्‍तोत्र, रुद्राष्टकम्, बिलवाष्टकम्, वेदसार शिव स्‍तवः, शिव पंचाक्षर स्‍तोत्र, श्री पार्वती वल्लभष्टकम्, शिवाष्टक, चन्द्रशेखराष्टकम्, लिंगाष्टकम्, शिव मानस पूजा, द्वादश ज्योतिर्लिंग स्‍तोत्र आदि, पर उन सभी में सबसे श्रेष्ठ शिव आराधना के लिए शिव महिम्‍नस्‍तोत्र को बताया गया है। इस स्‍तोत्र में ही उल्‍लेखित है कि शिव से श्रेष्ठ कोई देव नहीं है एवं शिव महिम्‍नस्‍तोत्र से श्रेष्ठ शिव की कोई स्‍तुति नहीं है। इस स्‍तोत्र की रचना पुष्‍पदत्त नाम के एक गंधर्व ने की थी। आशुतोष को अतिशोभ प्रसन्न किया जा सकता है और शिवरात्रि तो इसके लिए श्रेष्ठ दिन है। महाशिवरात्रि पर हम भी भक्ति की अविरल धारा को शिवशक्ति से प्राप्त कर अपने जीवन को नवीन दिशा प्रदान कर सकते हैं। तो आइये हम इस शिवरात्रि शिवशक्ति का आशीर्वाद प्राप्त कर जीवन में नवीन आशा, उमंग, उत्‍साह एवं नवीन आध्‍यात्‍मिक ऊर्जा का संचार करें। शिवशक्ति की सत्ता तो जीवन की पूर्णता को दर्शाती है, साथ ही शिवशक्ति का अर्द्धनारीश्वर स्‍वरूप जीवन में पुरुष और स्‍त्री के समान महत्‍व को उजागर करता है। शिवशक्ति का अनुसरण कर जीवन में हम आनंद और ज्ञान की धारा भी प्रवाहित कर सकते हैं। कभी भी जीवन में शुष्‍कता न आने दे, अर्थात आनंद को समाप्त न होने दे, क्योंकि शिव तो सदैव आनंद स्‍वरूप में ही विद्यमान रहते हैं।

महाकुंभ: महाशिवरात्रि से पहले फिर महाज्वार... श्रद्धालु 63 करोड़ के पार

प्रयागराज/नवप्रदेश। महाकुंभ में 63 करोड़ से अधिक लोग स्नान कर चुके हैं। इतनी भीड़ आने के बाद भी शहर की हवा गुणवत्ता के अनुरूप रही। मेला प्रशासन का दावा है कि इस दौरान प्रयागराज की हवा चंडीगढ़ से अच्छी रही। इतनी संख्या में तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ और हजारों वाहनों की आवाजाही के बावजूद वायु गुणवत्ता खराब नहीं हुई है। लगातार 42 दिन से शहर वायु की गुणवत्ता को लेकर ग्रीन जोन में बना हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पर्यावरण कंसल्टेंट शहीक शिराज के अनुसार महाकुंभ ग्रीन जोन में है। उन्होंने बताया कि 100 के भीतर एयर क्वालिटी इंडेक्स अच्छा माना जाता है। सिर्फ मौनी अमावस्या के दिन एयर क्वालिटी इंडेक्स 106 रहा। अन्य दिनों में यह 100 से काफी नीचे रहा। इस तरह से सिर्फ मौनी अमावस्या के दिन ही वायु की गुणवत्ता कुछ खराब थी। उन्होंने बताया, 13 जनवरी पौष पूर्णिमा को महाकुंभ का एयर क्वालिटी इंडेक्स 67 था। 14 जनवरी मकर संक्रांति को 67, 29 जनवरी मौनी अमावस्या को 106, 03 फरवरी बसंत पंचमी को 65 और 12 फरवरी माघी पूर्णिमा को 52 रहा है।महाकुंभ के आखिरी स्नान पूर्व महाशिवरात्रि पर सोमवार को संगम में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए भक्ति की लहरें फिर उफाने लगी हैं। चाहे लाल मार्ग हो या काली मार्ग या फिर त्रिवेणी मार्ग, हर तरफ से आस्था का जन सैलाब संगम में मिलने के लिए उमड़ता रहा। मेला प्रशासन ने रात आठ बजे तक 1.30 करोड़ श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का दावा किया। सोमवार की देर शाम तक रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों से संगम जाने वाले रास्तों पर लंबी कतारें लगी रहीं। निजी वाहनों का लाल उमड़ने से आउटर की पार्किंग में वाहनों को खड़ा करने की जगह तक नहीं बची। मेला प्रशासन ने मंगलवार की शाम तक तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान लगाया है।



लातूर में हत्या के मामले में 22 साल बाद 12 को उम्रकैद

मुंबई। महाराष्ट्र के लातूर में 22 साल पहले राजनीतिक रंजिश को लेकर की गई हत्या के एक मामले में 12 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने लेथियों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। 23 मई, 2023 को पंचायत चुनावों को लेकर 13 लोगों ने स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता दिगंबर पाटिल (58) पर लाठी डंडों से हमला किया था। हमले में पाटिल की मौत हो गई थी, जबकि उनके परिवार के कुछ लोग जखमी हुए थे। पुलिस ने इस मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था, लेकिन सुनवाई के दौरान एक आरोपी की मौत हो गई थी।

चीन: नाव दुर्घटना में दो लोगों की मौत, कई लापता

चांगशा(वार्ता)। मध्य चीन के हुनान प्रांत में युआनशुई नदी में मंगलवार सुबह एक यात्री नाव और तेज संबंधी कार्यों से जुड़े एक पोत के बीच टक्कर होने से दो लोगों की मौत हो गयी तथा कई अन्य लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह घटना युआनलिंग काउंटी के किंगलैंग नगर क्षेत्र में युआनशुई नदी में वूहॉह करीब 10 बजे हुई।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में स्तन कैंसर की दर दुनिया में सबसे अधिक

सिडनी(वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में स्तन कैंसर की दर दुनिया में सबसे अधिक है। साइंस मीडिया एक्सचेंज (सिमेक्स) ऑनलाइन समाचार पोर्टल ने मंगलवार को बताया कि ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के शोधकर्ताओं ने 185 देशों में स्तन कैंसर की घटनाओं और मृत्यु दर का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि दुनिया में 20 में से एक महिला को स्तन कैंसर होगा और 70 में से एक महिला इस बीमारी से मर जाएगी। हालांकि, अध्ययन में पाया गया कि स्तन कैंसर का जोखिम पूरी दुनिया में समान रूप से वितरित नहीं है।

ब्रिटेन ने जी-7 में रूस की वापसी से नहीं किया इंकार

लंदन(वार्ता)। ब्रिटेन ने रूस के रूप ऑफ सेवन (जी7) में वापस आने की संभावना से इनकार नहीं किया है और यह लंदन के सहयोगियों के साथ चर्चा का विषय होगा। ब्रिटेन के गृह उप मंत्री डैन जॉर्वेस से सोमवार को जब पूछा गया कि क्या रूस को जी-7 में पुनः शामिल होने की अनुमति दी जानी चाहिए, तो उन्होंने द टाइम्स से कहा, "यह एक ऐसा मामला है जिस पर अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ चर्चा की जाएगी। इस पर यूक्रेन में संघर्ष समाप्त होने के बाद निस्संदेह विचार किया जाएगा।-विस्तृत समाचार के लिए हमारी

अरुणाचल प्रदेश में मादक पदार्थ के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

ईटानगर(वार्ता)। अरुणाचल प्रदेश की बांदरदेवा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए चलाए गए अभियान में करीब 150.70 ग्राम सॉफ्टवे हेरोइन जब्त करके दो ड्रा तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) एस के तिवारी के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने एएसआई एस के झा, हेड कांस्टेबल दी बोमडोम और पी गुना तथा 138 बीएन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अन्य कर्मियों के साथ सोमवार को बांदरदेवा चेक गेट पर नाकाबंदी की।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के बीच हुआ एमओयू

सड़क अधोसंरचना में ऐतिहासिक निवेश, एक लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर

डू मध्यप्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर हब के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2025 के प्रथम दिवस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह की उपस्थिति में राज्य सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के बीच 1 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इससे लगभग 4010 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजनाओं का निर्माण एवं विकास किया जाएगा।इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक भरत यादव और एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी श्री एस.के. सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एनएचएआई की निर्माण परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। वहीं, लोक निर्माण



मंत्री श्री सिंह ने इस एमओयू को मध्यप्रदेश के रोड इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। एमओयू पर एनएचएआई की ओर से क्षेत्रीय अधिकारी श्री एस.के. सिंह और एमपीआरडीसी की ओर से प्रबंध संचालक श्री भरत यादव ने हस्ताक्षर किए। एमओयू से सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस समझौते में इंदौर-भोपाल ग्रीनफील्ड हाई

स्पीड कॉरिडोर, भोपाल-जबलपुर ग्रीनफील्ड हाई स्पीड कॉरिडोर, प्रयागराज-जबलपुर-नागपुर कॉरिडोर, लखनादौन-रायपुर एक्सप्रेस-वे, आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग, उज्जैन-झालावाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग, इंदौर रिंग रोड (पश्चिमी और पूर्वी बायपास), जबलपुर-दमोह राष्ट्रीय राजमार्ग, सतना-चित्रकूट राष्ट्रीय राजमार्ग, रीवा-सिद्धी राष्ट्रीय राजमार्ग और ग्वालियर शहर के पश्चिमी छोर पर 4-लेन बायपास सहित कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का विकास किया जाएगा।

शिवम का वाडियो इंस्टाग्राम में पोस्ट होते ही लाइक की होड़ लग गई



सिमगा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के भोंसले परिवार का नवयुवक शिवम भोंसले की चार पक्षियों को महाराष्ट्र की शिवभक्त जनता ने सिर आंखों पर उठाया। पुणे में अपने विवाह कार्यक्रम में शिवम् ने छत्रपति छत्रपति शिवाजी राजे के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा को अपनी चार लाइनों में अभिव्यक्त क्या की वह वीडियो फोटोबो एंड स्टूडियो और शिवम् के इंस्टाग्राम काउंट में पोस्ट होते ही लाइक और शेयर की होड़ लग गई। उस रील को - 6.80 रु अर्थात 68 लाख व्यूज 3.72 रु अर्थात करीब 37 लाख लाइक्स 95200 शेयर मिल चुके हैं। अब उसकी चर्चा महाराष्ट्र की मेन स्ट्रीम मीडिया में भी हो रही है। मुंबई के इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप के लोकसत्ता ने इस संबंध में एक लेख भी अपने ई-न्यूज पेपर में प्रसारित की है।

लालू यादव तेजस्वी समेत 11 को अदालत ने किया तलब



नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद को जमीन के बदले नौकरी घोटाले मामले में तलब किया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोमेन ने लालू प्रसाद के बेटे और बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव और बेटी हेमा यादव को भी तलब किया है। न्यायाधीश ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो के छोटे बेटे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी नए समन जारी किए हैं। आरोपियों को 11 मार्च को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है। भ्रष्टाचार के इस मामले में सीबीआई ने 78

लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। कोर्ट ने चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों को समन जारी किया है।

यह मामला मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य मंडल में की गई समूह 'डी' नियुक्तियों से संबंधित है। अधिकारियों के अनुसार, केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में प्रसाद के कार्यकाल के दौरान 2004 और 2009 के बीच राजद सुप्रीमो के परिवार या सहयोगियों को उपहार के रूप में या उनके नाम पर भूखंड हस्तांतरित करने के बदले ये नियुक्तियां की गईं। लालू प्रसाद, उनकी पत्नी, दो बेटियों, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और निजी व्यक्तियों सहित अन्य के खिलाफ 18 मई, 2022 को एक मामला दर्ज किया गया था।

सीएम रेखा ने विधानसभा में पेश की कैग रिपोर्ट, 2000 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सत्र का आज दूसरा दिन है। सबसे पहले उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के साथ ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई। इसके बाद दिल्ली सरकार ने कैग रिपोर्ट को पेश किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सदन में शराब नीति से जुड़ी कैग रिपोर्ट को विधानसभा में रखा। 14 कैग रिपोर्ट में से आज पहली कैग रिपोर्ट रखी गई है। नई शराब नीति से दिल्ली सरकार को करीब 2000 हजार करोड़ का घाटा लगा। नई शराब नीति में पहले के एक व्यक्ति को एक लाइसेंस मिलता था। लेकिन नई नीति में एक शख्स को दो दर्जन से ज्यादा लाइसेंस ले सकता था। पहले दिल्ली में 60 फीसदी शराब की बिक्री 4 सरकारी कॉर्पोरेशन से होती थी। लेकिन नई शराब नीति में कोई भी निजी कंपनी रिटेल लाइसेंस ले सकती है। शराब बिक्री का कमीशन



नई शराब नीति से सरकार को हुआ करोड़ों का घाटा

5 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी किया गया। कैग रिपोर्ट में बताया गया है कि थोक का लाइसेंस शराब वितरक और शराब निर्माता कंपनियों को भी दे दिया गया, जो कि उल्लेखन था। नीति में कोई भी निजी कंपनी रिटेल लाइसेंस ले सकती है। लाइसेंस देने से पहले आर्थिक या आपराधिक कोई जांच नहीं की गई। लिक्वर जाइन के लिए 100 करोड़ के निवेश की जरूरत होती थी। लेकिन नई पॉलिसी में इसे खत्म कर दिया गया। कैग की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि शराब लाइसेंस देने में राजनीतिक दखल और भाई भतीजावाद हुआ। भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के अनुसार, 2021-2022 की आवकरी नीति से 2000 करोड़ रुपये से अधिक का घाटा हुआ। अब समाप्त हो चुकी शराब नीति के निर्माण में बदलाव सुझाने के लिए गठित एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और आवकरी मंत्री मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज किया था। रिपोर्ट में 941.53 करोड़ रुपये के राजस्व के नुकसान का दावा है। गैर अनुरूप नगरपालिका वार्ड में शराब की दुकानें खोलने के लिए समय पर अनुमति नहीं ली गई। लाइसेंस शुल्क के रूप में लगभग 890.15 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

सुरंग हादसे में चौथे दिन श्रमिकों से 40 मीटर दूर बचाव अभियान जारी

नई दिल्ली। तेलंगाना के नगरकुनूल जिले में शनिवार को श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल परियोजना की सुरंग का एक हिस्सा ढहने के बाद से वहां फंसे आठ श्रमिकों के बचने की संभावनाएं लगातार कम होती दिख रही है। लगातार बढ़ रहे जलस्तर और कीचड़ के चलते बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आठ लोगों को बचाने के वास्ते आगे का रास्ता सुझाने के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञों की मदद ली है। एक अधिकारी ने मंगलवार को



बताया कि आठ लोग चौथे दिन भी फंसे हुए हैं, इसलिए जीएसआई और एनजीआरआई के विशेषज्ञों को बचाव प्रयासों में शामिल किया गया है। नागरकुनूल के जिलाधिकारी बी. संतोष ने मंगलवार को कहा कि आगे कोई भी कदम उठाने से पहले सुरंग की स्थिरता को ध्यान में रखा गया है और पानी निकालने का काम जारी है।



न्यूज गैलरी

नगरों के समग्र विकास के लिये नगरीय निकायों में अपनायी जायेंगी बेस्ट प्रैक्टिस

सिटीज ऑफ़ टुमारो विषय पर सत्रों में हुई चर्चा

भोपाल/नवप्रदेश। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय कुमार शुक्ला ने आज भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में नगरीय प्रशासन के विशेष सत्र में कहा कि मध्यप्रदेश में देश की उन सभी बेस्ट प्रैक्टिस को अपनाया जायेगा, जिससे मध्यप्रदेश में नागरिकों को बेहतर से बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नगरीय निकायों के आय के स्रोत बढ़ाने के भी प्रयास किये जा रहे हैं। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि नगरीय निकायों में ई-नगरपालिका प्रोजेक्ट को लागू किया जा रहा है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि नगरीय निकायों के सामने अपशिष्ट प्रबंधन एक चुनौती है। इसके लिये जन-भागीदारी को प्रोत्साहित किया जायेगा। सत्र में 2 विषयों सिटीज ऑफ़ टुमारो और ग्रीन क्लीन लिबबल सिटी पर विषय-विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किये। सिटीज ऑफ़ टुमारो विषय पर चेयरमेन सन बिल्डर्स एवं प्रेसीडेंट इंस्टीट्यूट ऑफ़ टाउन प्लानर इण्डिया श्री एन.के. पटेल ने कहा कि शहरों के विस्तार के लिये भूमि को रिजर्व में रखना जरूरी है। गोदेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड श्री राहुल देहिया, को-फाउण्डर एमडी सिमनेचर ग्लोबल ग्रुप श्री रवि अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत के लिये नियोजित टाउनशिप होना जरूरी है। टाउनशिप में सभी वर्गों के लोगों को जगह मिले, यह सुनिश्चित हो और वहाँ सभी आवश्यक सुविधाएँ हों। इस व्यवस्था से शहरी क्षेत्र में ट्रान्सपोर्ट पर दबाव कम होगा। निदेशक कॉर्पोरेशनल रियल एस्टेट होरानदानी ग्रुप श्री मनोष गुप्ता ने प्रदेश में हाल ही में जारी इटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी का स्वागत किया। डीएलएफ़ के सीनियर एक्जीक्यूटिव श्री राजीव सिंह ने उत्कृष्ट शहरी नियोजन को महत्वपूर्ण बताया। क्रेडाई एमपी चेंटर के अध्यक्ष श्री मनोज सिंह भीक ने राजा भोज बसाये गये भोपाल और यहाँ के बड़े तालाब की विशेषताओं की जानकारी दी। वर्ल्ड बैंक के कंटी हेड श्री अमस्तो तानो कामो ने आने वाले समय में शहरों के नागरिकों को बुनियादी सुविधा देने के काम को चुनौतीपूर्ण माना। उन्होंने कहा कि इसके लिये अभी से ही सभी एजेंसियाँ मिलकर काम करें। बोस्टन ग्रुप के श्री आशीष गर्ग, आईआईएफसीएल के श्री पलाश श्रीवास्तव और अशोक बिल्डकान के श्री सतीश डी. प्रकाश ने भी विचार रखे।

ग्रीन क्लीन लिबबल सिटीज विषय पर चर्चा

दूसरे सत्र में -हरे-भरे शहर विषय पर विशेषज्ञों ने विचार रखे। विशेषज्ञों का मानना था कि नगरीय निकाय शहरों को हरा-भरा रखने और पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिये नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करें। इसी तरह अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ जल व्यवस्था में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना चाहिये। इस संबंध में नगरीय प्रशासन आयुक्त श्री सी.बी. चक्रवर्ती एम., प्रो. वी. श्रीनिवास चैरी, श्री आनंद अय्यर, श्री आला अयोध्या, श्रीमती समिथा आर. और डॉ. के.वी. जार्ज ने भी अपने

मुख्यमंत्री ने एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप सत्र को किया संबोधित

उद्योगों के विकास से ही बढ़ेंगे रोजगार के अवसर : सीएम यादव

भोपाल/नवप्रदेश। दो दिवसीय ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के दूसरे दिन सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम तथा स्टार्ट-अप समिट सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी का अभिवादन करते हुए संबोधन में कहा कि यह दो दिवसीय समिट सकारात्मक भावना और योजनाबद्ध तरीके से आयोजित की गई है। संभागवार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन कर हमने प्रदेश में एक सकारात्मक औद्योगिक वातावरण तैयार करने का प्रयास किया है। जिससे व्यापक संवाद हुआ है, और इसके उत्साहजनक परिणाम एमएसएमई क्षेत्र में देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग और निवेश को प्रोत्साहित किए बिना आर्थिक आधार मजबूत नहीं हो सकता। उद्योगों के विकास से ही रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और प्रदेश समृद्ध होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र बहुत



विस्तृत है और इससे नई संभावनाओं के द्वार खुले हैं। उन्होंने प्रदेश के मंत्री श्री चैतन्य काश्यप की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में लागू की गई नई एमएसएमई नीति में सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को समाहित किया गया है, जिससे यह क्षेत्र और अधिक सशक्त

उपाजर्न नीति की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

गेहूँ खरीदी केन्द्र में किसानों के लिए सभी सुविधाएं सुनिश्चित करें : खाद्य मंत्री राजपूत

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर होगी किसानों से अच्छी गुणवत्ता की फसल की खरीदी

भोपाल/नवप्रदेश। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने निर्देश दिये हैं कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 के गेहूँ उपाजर्न की अवधि के दौरान उपाजर्न केन्द्रों पर आने वाले किसानों के लिए सभी पर्याप्त सुविधाएं होनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर उपाजर्न कार्य से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने यह निर्देश मंत्रालय में रबी उपाजर्न नीति की समीक्षा के दौरान दिये। राजपूत ने कहा कि उपाजर्न केन्द्रों पर आने वाले किसानों के लिए छाया की सुविधा के लिए शेड लगवाएं जहाँ तथा पीने के पानी, प्रतीक्षा कक्ष, दरियां, टेबल, कुर्सी तथा शौचालय



आदि का पर्याप्त प्रबंध करें। उन्होंने निर्देश दिये कि समिति स्तर पर पर्याप्त बिजली की सुविधा, हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन, इलेक्ट्रॉनिक उपाजर्न उपकरण तथा किसानों की जानकारी के लिए सूचना पटल पर उपाजर्न संबंधी जानकारी प्रदर्शित करें। श्री राजपूत ने निर्देश दिये कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता लाएं ताकि गेहूँ खरीदी केन्द्रों तक अधिकतम पंजीकृत

बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि समिट के अंत में जब आंकड़े आएंगे तब तक यह स्पष्ट हो जाएगा कि एमएसएमई सेक्टर को अभूतपूर्व उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार जो भी कमिटमेंट कर रही है और जिस पारदर्शिता के साथ नीतियों को लागू कर रही है, वह प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने एमएसएमई विभाग की सराहना की और कहा कि सरकार की नीतियां स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमारी सरकार और उद्यमी मिलकर सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उद्योग जगत के सभी साथियों का

अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि सरकार ने उद्यमियों के प्री-प्रोडक्शन से पोस्ट-प्रोडक्शन तक की हर प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए नई 18 नीतियां लागू की हैं। भूमि आवंटन प्रक्रिया को भी सरल किया गया है ताकि उद्यमियों को सरकारी सुविधाओं का लाभ आसानी से और निश्चित समय में मिले। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि सरकार उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के दो मुख्य लक्ष्यों पर कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वासित किया कि यदि नई नीतियों की आवश्यकता हुई तो सरकार उद्यमियों के साथ पूरी पारदर्शिता से काम कर उसे भी लागू करेगी। उन्होंने समिट से प्रदेश के सुनहरे भविष्य की कल्पना करते हुए कहा कि नवाचारों और निवेश से लाखों रोजगार सृजित होंगे, इससे देश विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

बिजली चोरी की सूचना देने

वालों को मिलेगा पारितोषिक

चोरी की राशि वसूल होने पर आउटसोर्स कर्मचारियों को भी मिलेगा लाभ

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में अब बिजली चोरी की रोकथाम के चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली करने में विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि अब आउटसोर्स कर्मचारियों को भी दी जायेगी। वर्तमान में विभागीय दायित्वों का निर्वहन आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा भी किया जा रहा है। विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के उपरत बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपियों से जुर्माने की राशि वसूली में, सर्विस प्रोवाइडर के माध्यम से नियुक्त आउटसोर्स कर्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ जांच एवं वसूली के कार्य में सम्मिलित आउटसोर्स कर्मचारियों को भी परितोषिक योजनान्तर्गत

2.5 (बार्ड) प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दिये जाने का निर्णय लिया गया है। बिजली चोरी की जुर्माना राशि वसूली का भुगतान निश्चित अवधि में अर्धवार्षिक अथवा वार्षिक आधार पर दिया जायेगा। उल्लेखनीय है कि नियमित अथवा सविदा कर्मियों को योजना के प्रारंभ से ही 2.5 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती रही है। किन्तु अब कंपनी विद्युत की चोरी की प्रभावी रोकथाम और अवैध उपयोग को रोकने के लिए इस योजना में आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ ही कोई भी सामान्य नागरिक बिजली चोरी की सूचना कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक, संचा.संघा./शहर वृत्त कार्यालय के महाप्रबंधकों को लिखित अथवा मोबाइल पर दे सकता है। इसके लिये हाल ही में कंपनी की वेबसाइट <https://portal.mpcz.in/> पर ऑनलाईन सूचना देने की व्यवस्था भी की गई है। बिजली चोरी की सफल सूचना देने वाले को चोरी की क्षतिपूर्ति की पूर्ण राशि जमा होने पर, बिल की राशि के दस प्रतिशत की राशि को

राज्य सरकार निवेशकों को हर संभव मदद करने के लिये है तत्पर : मंत्री शुक्ला

निवेशकों को किसी भी समस्या, कठिनाई का त्वरित निराकरण करेंगे- एसीएस श्रीवास्तव

नवकरणीय ऊर्जा मंत्री ने निवेशकों को प्रदेश में निवेश का दिया न्यौता

भोपाल/नवप्रदेश। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा है कि मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में असीम संभावनाएँ मौजूद हैं। राज्य सरकार निवेशकों के साथ भागीदारी के लिये उत्सुक है। सरकार प्रतिबद्धतापूर्वक निवेशकों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध करा रही है। भविष्य में आने वाली चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए निवेशकों के साथ सदैव पूरी गंभीरता के साथ सहयोग करेगी। मंत्री श्री शुक्ला ने यह बातें मुरैना सोलर प्रोजेक्ट-1 और 2 के प्री-बिड के सेशन को संबोधित करते हुए कही। अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव ने इन प्रोजेक्ट के संबंध में निवेशकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिये।



मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि निवेशकों को आश्वासित किया कि प्रदेश में उनके द्वारा किये गये निवेश की सुरक्षा की पूरी गारंटी है। उन्होंने कहा कि मुरैना क्षेत्र में सोलर पार्क में निवेश करने वालों के लिये अच्छे अवसर उपलब्ध हैं। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि जीआईएस-2025 भोपाल में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों का आना इस बात का द्योतक है कि मध्यप्रदेश निवेश के लिये अनुकूल राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के समग्र विकास के लिये नये अध्याय की शुरुआत की है। उन्होंने निवेश

के आकर्षित करने के लिये विभिन्न अंचलों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन कर एक नया इतिहास रचा है। इससे प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के नए द्वार खुले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस नवाचारी सोच के परिणाम स्वरूप आज भोपाल जीआईएस में बहुत बड़ी संख्या में निवेशकों की उपस्थिति दर्शा रही है कि आत्म-निर्भर भारत के योगदान में मध्यप्रदेश की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगी। प्री-बिड सेशन के पहले सत्र में मुरैना में 300-300 मेगावॉट की 2 यूनिटों की स्थापना के संबंध में एसीएस श्री

मनु श्रीवास्तव द्वारा व्यापक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि प्राजेक्ट के लिये एशियन डेवेलपमेंट बैंक द्वारा ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) और मध्यप्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी लिमिटेड (एमपीपीएमसीएल) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिड में शामिल होने वाले सभी निवेशकों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण किया जाएगा। बिड्स की ओर से 7 मार्च तक क्लेरीस भेजी जा सकती है। इनका जवाब 17 मार्च तक दिया जाएगा। फाइनल बिड डॉक्यूमेंट सक्षम अनुमोदन के बाद 24 मार्च तक प्रस्तावित है। 7 अप्रैल तक प्रस्ताव दिये जा सकेंगे। ऑक्शन संबंधी प्रोसेस 21 अप्रैल तक होगी। 5 मई 2025 को प्रोजेक्ट के एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर की संभावित तिथि तय की गई है। प्री-बिड सेशन के दूसरे चरण में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के संयुक्त परियोजना के बारे में जानकारी दी जाकर बिड्स से चर्चा की गई। परियोजना में 200-200 यूनिट की चार यूनिट स्थापित की जाना प्रस्तावित है।

ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य होगा : मनु श्रीवास्तव

ग्रीन हाइड्रोजन पर राउंड टेबल चर्चा में देशी-विदेशी निवेशक हुए शामिल

भोपाल/नवप्रदेश। राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत आगामी वर्ष-2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष हरित हाइड्रोजन के उत्पादन का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया है। ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में निवेशकों के साथ राउंड टेबल चर्चा के दौरान अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों की पंक्ति में होगा। उन्होंने निवेशकों के साथ राउंड टेबल के दौरान राज्य शासन द्वारा उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं जैसे भूमि, प्रदेश में पर्याप्त बिजली, अनुकूल एवं भौगोलिक संरचना से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि राज्य में प्रचुर नवकरणीय ऊर्जा संसाधन, सहायक नीतिगत ढाँचा हरित हाइड्रोजन परियोजना के लिये अनुकूल माहौल तैयार करता है। चर्चा के दौरान निवेशकों द्वारा पूछे गये सवालों एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। ऊर्जा के वैकल्पिक माध्यमों में से ग्रीन हाइड्रोजन के अलावा अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन की अक्षय ऊर्जा नीति 2022 का उद्देश्य अक्षय ऊर्जा उपकरण निर्माण के लिए अनुकूल पारिस्थितिकीय क्षेत्र बनकर और अक्षय ऊर्जा को बड़े पैमाने पर अपनाने की सुविधा प्रदान करके राज्य को अक्षय ऊर्जा केन्द्र के रूप में स्थापित करना है। इसमें भूमि अधिग्रहण लागत पर 50 प्रतिशत छूट और

अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नामित निजी भूमि खरीदी पर स्टॉम्प शुल्क पर 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति राशि प्रोत्साहन स्वरूप शासन द्वारा प्रदान की जाती है। अपर मुख्य सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि सीईओ गौलमेज सम्मेलन में प्राप्त सिफारिशें एवं सुझाव



मध्यप्रदेश की भविष्य की ऊर्जा नीति एवं रणनीतियों को बनाने में नया स्वरूप प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा। राज्य की हरित हाइड्रोजन क्षमता को साकार करने और भारत के सतत ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान देने में उद्योगपतियों, अधिकारियों एवं वित्तीय हितधारकों का सहयोग आवश्यक है। ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री अमनवीर सिंह बैस ने कहा कि मध्यप्रदेश हरित ऊर्जा निवेश के लिये तेजी से एक अनुकूल राज्य के रूप में उभर रहा है। पिछले 10 वर्षों में राज्य की अक्षय ऊर्जा क्षमता में 11 गुना वृद्धि हुई है, जो इसकी कुल स्थापित बिजली क्षमता का कुल 24 प्रतिशत है।

उज्जैन में बनेगा एयरपोर्ट : केन्द्रीय उड्यन मंत्री नाथडू

शहरों का ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवेलपमेंट होगा - नगरीय विकास मंत्री विजयवर्गीय

प्रदेश में विमान सेवाएं बढ़ाने हुए 5 एमओयू

भोपाल/नवप्रदेश। शहरों का ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवेलपमेंट किया जाएगा। शहरों में सुव्यवस्थित ट्राफिक के लिये अंडरब्रिज बनाने पर विचार किया जाएगा। नगरों के विकास के लिये बनाई गई पॉलिसी में आपके सुझावों पर जरूरी परिवर्तन किये जाऐंगे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह बात ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के अर्बन डेव्हलपमेंट सेशन में कही। केन्द्रीय नागरिक

उड्यन मंत्री श्री के. राम मोहन नाथडू ने कहा कि उज्जैन में एयरपोर्ट बनाया जाएगा। पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों के नियम-कानूनों की शहरी विकास के कानूनों से समानता होनी चाहिए। श्रम कानूनों में सुधार होगा, जिससे उद्योगपति और श्रमिक के बीच टकराव की स्थिति नहीं बनेगी। अतिथियों ने एमपी ईवी तरंग पोर्टल को लांच किया। शहरों में विमान सेवाओं के उद्देश्य से पाँच कम्पनियों के साथ एमओयू हुए। एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ अंतर्राष्ट्रीय रूट इंदौर से आबुधाबी और इंदौर से बैंकॉक और घरेलू रूट इंदौर से पटना, इंदौर से कोच्ची एवं इंदौर से वाराणसी के लिये विमान सेवाएं शुरू करने के



लिये एमओयू हुआ। फेंकफिन कम्पनी के साथ मध्यप्रदेश में 5 एविएशन एकेडमी शुरू करने के लिये एमओयू हुआ। इसमें 6 से 7 हजार लोगों

को रोजगार मिलना संभावित है। फ्लाई भारती के साथ उज्जैन में एयरपोर्ट डेव्हलपमेंट के लिये एमओयू हुआ। इसमें 750 करोड़ रुपये का

निवेश होगा। <कंपनी प्रधान एयर> के साथ उज्जैन में और राज्य के भीतर हवाई सेवाएं शुरू करने के लिये एमओयू हुआ। इसमें 150 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इन एविया एविएशन कंसल्टेंट जीएमबीएच के साथ भोपाल में मेट्रीनेस रिपेयर एण्ड ऑपरेशन (एमआरओ) की स्थापना के लिये एमओयू हुआ। इसमें प्रथम चरण में 500 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है। एक एमओयू एडमिनिस्ट्रेटिव स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया के ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट के साथ नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने किया है। इसमें विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की ट्रेनिंग होगी। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि जनभागीदारी शहर के विकास का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि

इंदौर शहर के नागरिकों की तरह स्वच्छता को संस्कार में शामिल करना होगा। उन्होंने बताया कि इंदौर को क्लीन सिटी के साथ ही ग्रीन सिटी बनाया जाएगा। इंदौर में आगामी 5 साल में ढाई करोड़ पौधे लगाकर तापमान 4 डिग्री तक कम करने का लक्ष्य है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि ऐसी पॉलिसियाँ बनाई जा रही है कि शहर का विकास हो, प्रदेश का विकास हो और निवेशक का भी विकास हों। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि केन्द्र ने एक लाख करोड़ रुपये का ट्रस्ट फंड बनाया है। इस राशि का उपयोग मध्यप्रदेश में शहरों के सुनियोजित विकास के लिये अच्छे योजना बनाकर किया जायेगा। इसके लिये हमारा विभाग केन्द्र से पर्याप्त राशि लाने के लिये ठोस प्रयास करेगा।



सुविचार

कुछ रिश्ते गीली लकड़ी की तरह होते हैं, जो न जलते हैं न बुझते हैं वस धुंआ करते रहते हैं और आपकी आंखों में आंसू भरते रहते हैं। - अज्ञात

योगी आदित्यनाथ की खरी-खरी

प्रयागराज महाकुंभ को लेकर भ्रम फैलाने के लिए कुछ विपक्षी नेता लगातार विवादस्पद बयानबाजी कर रहे हैं। ऐसे लोगों को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खरी-खरी सुना दी है। उत्तरप्रदेश विधानसभा में चर्चा के दौरान योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के नेताओं पर जमकर निशाना साधा और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में जो महाकुंभ आयोजित किया गया था उसमें इस कदर अव्यवस्था थी कि श्रद्धालुओं को त्रिवेणी संगम में स्नान करना मुश्किल हो गया था। त्रिवेणी संगम का पानी इस कदर प्रदूषित था कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री त्रिवेणी संगम की दुर्दशा देखकर बगैर स्नान किये हुए लौट गये थे। जबकि इस बार के महाकुंभ में देश विदेश के 62 करोड़ श्रद्धालु महाकुंभ में आ चुके हैं और सभी ने यहां की व्यवस्था को सराहा है। किन्तु समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कुछ अन्य विपक्षी नेता लगातार महाकुंभ की व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक मैसेज का भी सदन में उल्लेख किया जिसमें कहा गया है कि महाकुंभ में गिद्धों को लार्शें दिख रही है और सुअरों को गंदगी दिख रही है। लेकिन अस्थायान श्रद्धालुओं को पुण्य दिख रहा है। योगी आदित्यनाथ की इस खरी-खरी के बाद महाकुंभ को लेकर विवादस्पद बयानबाजी करने वाले विपक्षी नेताओं को करारा जवाब मिल गया होगा। वास्तव में प्रयागराज महाकुंभ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन बन चुका है। जिसमें एक तिहाई आबादी सम्मिलित हो चुकी है। इतने भव्य कार्यक्रम में जहां प्रतिदिन एक से डेढ़ करोड़ श्रद्धालु देश के कोने कोने से पहुंच रहे हों वहां थोड़ी बहुत अव्यवस्था स्वाभाविक है। जिसे तिल का ताड़ बनाकर विपक्ष के कुछ नेता महाकुंभ की व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाकर खिसयानी बिल्ली खंभा नोचे वाली कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं। उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयानों को ही ले ले जिन्होंने पहले तो इस महाकुंभ को असफल बताते हुए यह दावा किया था कि प्रयागराज जाने वाली ट्रेनें खाली जा रही है वहां उतने श्रद्धालु नहीं जुट रहे हैं। जितने का दावा किया जा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ा चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया कुछ दिनों बाद वे यह कहने लगे की महाकुंभ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं और अव्यवस्था के कारण उन्हें भारी असुविधायें झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में करोड़ों लोग आ रहे हैं। लेकिन उनकी संख्या कम करके बताई जा रही है। इस तरह का परस्पर विरोधी बयान देकर अखिलेश यादव आखिर सिद्ध क्या करना चाहते हैं। जबसे महाकुंभ प्रारंभ हुआ है तभी से वे बिना नागा रोज महाकुंभ को लेकर अनर्गल टिका टिप्पणी कर रहे हैं उनकी देखा देखी अन्य विपक्षी नेता भी उनके सुर में सुर मिलाते हुए महाकुंभ को लेकर अत्यंत आपत्तिजनक टिप्पणी करने लगे। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कह दिया तो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने महाकुंभ को फालतू कह दिया। इन विपक्षी नेताओं के विषवमन के बावजूद महाकुंभ के प्रति लोगों की श्रद्धा कम नहीं हो रही है। यह इस महाकुंभ की सबसे बड़ी सफलता है।

महाशिवरात्रि एक धार्मिक उत्सव



उमा मेहता त्रिवेदी

महाशिवरात्रि हिंदू त्योहार है जो भगवान शिव को समर्पित है। यह फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। महाशिवरात्रि का अर्थ है 'शिव की महान रात'। इस दिन भक्त उपवास रखते हैं, पूजा करते हैं और भगवान शिव की स्तुति करते हैं। इसका अपना अलग ही महत्व है इस दिन को भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह के दिन के रूप में भी मनाया जाता है जो भगवान शिव के भक्तों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है।

इस दिन खासकर भक्त भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

महाशिवरात्रि के दिन सुबह जल्दी उत्कर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

फिर भगवान शिव की मूर्ति या शिवलिंग को गंगाजल से स्नान कराएं। उन्हें फूल, फल, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें। भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा और भांग बहुत प्रिय हैं।

इसलिए ये चीजें भी उन्हें अर्पित करना चाहिए भगवान शिव की सच्चे मन से पुजा करें इस दिन समस्त भक्त उपवास रखते हैं और अन्न, पत्त और पानी का त्याग किया जाता है।

कुछ लोग निर्जला व्रत रखते हैं, जिसमें वे पानी भी नहीं पीते हैं। व्रत के दौरान भगवान शिव का ध्यान और मंत्रों का जाप किया जाता है।

ऐसी धारणा है कि महाशिवरात्रि की रात को जागरण किया जाता है इस दौरान भजन, कीर्तन और कथाएं सुनी जाती हैं। कई लोग पूरी रात जागकर भगवान शिव की आराधना करते हैं।

मान्यता है कि महाशिवरात्रि का व्रत करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और अपने समस्त भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं शिव की पूजा करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाशिवरात्रि एक धार्मिक उत्सव है, जो हमें भगवान शिव के प्रति अपनी भक्ति और श्रद्धा को प्रकट करने का अवसर प्रदान करता है। यह दिन हमें अपने जीवन को पवित्र और सार्थक बनाने की प्रेरणा देता है।

प्रेरक प्रसंग

अवतारों की परंपरा पर दृष्टि डालें तो उनके उद्देश्यों में एक अचूक समानता दिखाई पड़ती है, वह है दुष्प्रवृत्तियों का संहार और सत्प्रवृत्तियों का संवर्द्धन।

एक के बिना दूसरे का अस्तित्व बेमानी और निरर्थक है। यदि परमात्मा प्रलय के साथ-साथ निर्माण और विस्तार के भी प्रतीक न हों तो सृष्टि का संतुलन बिगड़ने लगे और मानवता लक्ष्यविहीन नजर आए। मनुष्य का जीवन भी तो इसी संतुलन का प्रतीक है,

जो ये माँग करता है कि जब उपासना-साधना के अस्त्रों से कथाय-कर्मणों का वह किया जाए, तब आराधना के पुष्पों से इस विश्व-वाटिका को सहेजा-सँवारा भी जाए, जिससे मनुष्यता के मूल्यों का आधार बना रहे।

आज का पंचांग

बुध-14	11	10	सूर्य-शुक्र-शनि	9
9	15	राहु	13-15	8
14	3	4	चन्द्र-केतु	6
मंगल				

सूर्योदय : 06:54, सूर्यास्त : 06:14, चन्द्रोदय: : 29:42, चन्द्रास्त : 15:18, अरुन : उतरायणी (दक्षिणगोलीय), ऋतु : बसन्त, शक सम्वत : 1946 (क्रोधी), विक्रम सम्वत : 2081 (काल), मास : फाल्गुन, पक्ष : कृष्ण, तिथि : त्रयोदशी, नक्षत्र : श्रवण, योग : वरीयान, प्रव्रम करण : तैत्तिल (12:47 तक), द्वितीय करण : गार (24:02 तक)
॥ गौघर ग्रहः ॥
सूर्य : कुम्भ, चंद्र : मकर, मंगल : मिथुन (उदित, पूर्व, मार्ग), बुध : कुम्भ

(उदित , पश्चिम , मार्ग), गुरु : वृष (अस्त, पश्चिम, मार्ग), शुक्र : मीन (उदित, पूर्व, मार्ग), शनि : कुम्भ (अस्त, पश्चिम, वार्मी), राहु : मीन, केतु : कन्या।

शुभाशुभ मुहूर्त विचार

अभिजित मुहूर्त : 12:07 से 12:53, अमृत काल : 12:14 से 13:48, निपुष्कर योग : 06:47 से 12:47, विजय मुहूर्त : 14:24 से 15:10, गोधुलि मुहूर्त : 18:10 से 18:36, सायराह सनढ्या : 18:13 से 19:28, निशिता मुहूर्त : 24:04 से 24:55, राहुकाल : 12:00 से 13:47, राहुवास : पश्चिम, यमगण्ड : 09:39 से 11:04, दुर्बुध्दित : 09:04 से 09:50, हेमाहुति : केतु, दिशाशूल : उत्तर, अविनवास : पृथ्वी, चन्द्रवास : दक्षिण, शिववास : नन्दी पर (12:47 से भोजन में)।



विजय मिश्रा

अपने नटराज रूप में मगवान शिव डमरू वादन करते हुए नृत्य करते परिलक्षित होते है। शिव श्रृंगार -पूजा में वर्जित मगवान शिव वनस्पतियों के देव कहे जाते है ।वे भांग धतूरा,शमी,मदार,बिल्वपत्र कनेर,चिटचिड़ा, के श्रृंगार से गदगद होते है।उनकी पूजा में केतकी पुष्प,नारियल का पानी,हल्दी,कुमकुम,काला तिल का उपयोग वर्जित है।शिवपूजन के समय शंख भी नहीं बजाया जाता है। सर्वशक्तिमान होने के बावजूद सहज बनकर रहने और शक्ति का सदुपयोग असुर प्रवृत्ति को आमूलचूल उखाड़ फेंकने का संदेश मगवान शिव देते है। महाशिवरात्रि पर उनके गुणों का अनुसरण ही उनकी सच्ची आराधना होगी।ओम नमः शिवाय।

आज का इतिहास

नई दिल्ली/बातों। 1832 में आज ही के दिन आज ही के दिन पोलैंड के संविधान को हटाय़ा गया था। 1857 में आज ही के दिन पश्चिम बंगाल के बहरामपुर में अंग्रेजों के खिलाफ पहला सैन्य विद्रोह हुआ था। 1863 में 26 फरवरी के दिन ही अमेरिका के सोलहवें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी मुद्रा अधिनियम पर हस्ताक्षर किए थे। 1936 में आज ही के दिन जापान में सेना ने तख्तापलट किया था। 1972 में 26 फरवरी के दिन ही वर्षा के निकट अरबी में स्थित विक्रम अर्थ सेटेलाइट स्टेशन भारत के चौथे राष्ट्रपति वीवी गिरि ने देश को समर्पित किया था। 1975 में आज ही के दिन गुजरात के अहमदाबाद में देश का पहला पतंग संग्रहालय 'शंकर केन्द्र' स्थापित किया गया था। 1991 में 26 फरवरी के दिन ही सद्दाम हुसैन ने कुवैत से अपने सैनिकों को इराकी रंडियेय वापसी की घोषणा की थी। 1999 में आज ही के दिन पांच ग्रैमी अवार्ड जीतकर रैप गायिका लॉरिन हिल ने नया रिकॉर्ड बनाया था। 2001 में 26 फरवरी के दिन ही आतंकवादी संगठन तालिबान ने अफानिस्तान के बामियान में बुद्ध की दो विशाल मूर्तियों को नष्ट कर दिया था।

पाटकों की बात

घर जो केवल



घर जो केवल मकान होता है घर नहीं वो दुकान होता है दूर रहती है जब भी वो उनसे सख़्त वो इम्तिहान होता है रोज़ रसूवा किया ज़माने में यूँ कोई मेहरबान होला है कम से कम आप तो जुबान खोलें वक्त् तो बेजुबान होता है 'भवि' समस्या तो है सरल होना फिर भी इसका निदान होता है। - **शुचि 'भवि'**

उनके घर मुझको



उनके घर मुझको जाना भी है, उनसे चेहरा छिपाना भी है। झगड़ों के बीच आता हूँ क्यूँ , जब मुझे मार खानी भी है। रोगों में भीड़ का हिस्सा हूँ, रदें-दुश्मन बढ़ाना भी है। मजहबों दौर में दोस्ती, दुनियादारी निभाना भी है। धरती का ऊंचा करना है कद, आसमन को झुकाना भी है। रेल्वे स्टेशन सब कुछ मेरा, वो ही मेरा टिकाना भी है। क्यूँ उपर वाले को पूजें हम, ईश तो आबो दाना भी है। - **संजय दानी**

QUIZ TIME

1) मध्यप्रदेश के किस जिले में विजय

कुमार इंटरनेशनल ने डायमंड कटिंग

एण्ड पॉलिशिंग प्लांट की स्थापना की है?

2) वन्यजीव संरक्षण के संबंध में दिए

जाने वाले अमृता देवी राष्ट्रीय पुरस्कार

की शुरुआत कब की गई थी?

3) इस्लाम धर्म अपनाने वाले मीलों को

क्या नाम दिया गया है?

4) किस जनजाति के लोगों को

औषधियों से संबंधित अच्छी जानकारी

होती है?

5) फ्रांस के सबसे कम

आयु के प्रधानमंत्री कौन

है?



Ramaquiz



ज्योतिषाचार्य वास्तुविशेषज्ञ ओंकर देववार गुरुजी

दुविधा होगी।

वृष: आज का दिन आपके लिये भाग्योन्नति कारक रहेगा। पिछली गलतियों से सीख लेकर ही आज नए कार्य आरंभ करेंगे। मध्यान तक का समय व्यवसाय के लिए उदासीन रहेगा।

मिथुन: आज के दिन आप सेहत को लेकर लापरवाही करेंगे इसके परिणाम आगे गंभीर भी हो सकते है।

कर्क: आज का दिन आपको लगभग

आज का राशिफल

प्रत्येक कार्यों में विजय दिलाएगा जिस कार्य में हानि हो उसका कारण कोई अन्य व्यक्ति ही रहेगा।

सिंह: आज आप अपने लापरवाह रवैये के कारण सेहत के साथ धन की हानि भी करवाएंगे।

कन्या: आज के दिन आपके विचार तो उच्च रहेंगे परन्तु कर्म इसके अनुरूप ना होने से अन्य लोगों की तुलना में स्वयं को पिछड़ा अनुभव करेंगे।

तुला: आज का दिन भी आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। दिन भर किसी ना किसी कारण से मन बेचैन रहेगा।

वृश्चिक: आज के दिन भी आपको अनुकूल फलों की प्राप्ति होगी परन्तु इसके लिए शारीरिक एवं बौद्धिक परिश्रम अधिक करना पड़ेगा।

धनु: आज का दिन आपके लिए अपेक्षा अनुसार तो नहीं फिर भी संतोषजनक रहेगा। प्रातः काल से ही किसी से पुराने विवाद के कारण मन विचलित रहेगा। **मकर**: आज का दिन पूरी तरह आपकी आशाओं पर खरा उतरेगा। व्यवसायी वर्ग आज खुल कर निर्णय ले सकेंगे। आज दूसरे के भरोसे कार्य ना छोड़े अन्यथा अपूरे रह सकेंगे। **कुंभ**: आज का दिन आपके लिये आर्थिक उलझनों से भरा रहेगा फिर भी आज जिस व्यक्ति से कोई उम्मीद नहीं रखेंगे।

मीन: आज का दिन आपको आकस्मिक लाभ की प्राप्ति कराएगा। विरोधीयों की भी आपके आगे दाल नहीं गलेगी।

घर जो केवल



घर जो केवल मकान होता है घर नहीं वो दुकान होता है दूर रहती है जब भी वो उनसे सख़्त वो इम्तिहान होता है रोज़ रसूवा किया ज़माने में यूँ कोई मेहरबान होला है कम से कम आप तो जुबान खोलें वक्त् तो बेजुबान होता है 'भवि' समस्या तो है सरल होना फिर भी इसका निदान होता है। - **शुचि 'भवि'**

उनके घर मुझको



उनके घर मुझको जाना भी है, उनसे चेहरा छिपाना भी है। झगड़ों के बीच आता हूँ क्यूँ , जब मुझे मार खानी भी है। रोगों में भीड़ का हिस्सा हूँ, रदें-दुश्मन बढ़ाना भी है। मजहबों दौर में दोस्ती, दुनियादारी निभाना भी है। धरती का ऊंचा करना है कद, आसमन को झुकाना भी है। रेल्वे स्टेशन सब कुछ मेरा, वो ही मेरा टिकाना भी है। क्यूँ उपर वाले को पूजें हम, ईश तो आबो दाना भी है। - **संजय दानी**

पाटकों की बात

घर जो केवल



घर जो केवल मकान होता है घर नहीं वो दुकान होता है दूर रहती है जब भी वो उनसे सख़्त वो इम्तिहान होता है रोज़ रसूवा किया ज़माने में यूँ कोई मेहरबान होला है कम से कम आप तो जुबान खोलें वक्त् तो बेजुबान होता है 'भवि' समस्या तो है सरल होना फिर भी इसका निदान होता है। - **शुचि 'भवि'**

उनके घर मुझको



उनके घर मुझको जाना भी है, उनसे चेहरा छिपाना भी है। झगड़ों के बीच आता हूँ क्यूँ , जब मुझे मार खानी भी है। रोगों में भीड़ का हिस्सा हूँ, रदें-दुश्मन बढ़ाना भी है। मजहबों दौर में दोस्ती, दुनियादारी निभाना भी है। धरती का ऊंचा करना है कद, आसमन को झुकाना भी है। रेल्वे स्टेशन सब कुछ मेरा, वो ही मेरा टिकाना भी है। क्यूँ उपर वाले को पूजें हम, ईश तो आबो दाना भी है। - **संजय दानी**

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

खास पाती

तम लाख घना हो प्रदीप एक

तम लाख घना हो प्रदीप एक जल जाए तो रजनी रास्ता बदल देती है, दुःख लाख वृहत हो संतोष के दो शब्द पीड़ा को काट देता है, अब मैं हार गया हाताश - निराश इसान एक बार फिर ठन ले, तो! श्री कृष्ण ने साफ कहा है कि बस आज तुम्हारा कल होगा इसलिए आज की सोचो कल क्या होगा उसको कल पर छोड़ दो, यदि तुम धर्म के साथ हो तो मैं तुम्हारे साथ हूँ यह मत सोचो कि दुर्योधन के पास असंख्य सेना है, यह मान के चलो कि अंत ऐसा होगा दुर्योधन जैसा होगा। - **डॉ.मधुबाला मोर्या**

क्या पता क्या बात है और बात किस

क्या पता क्या बात है और बात किस आधार पर तब्सिरा करने लगे हैं वो मेरे किरदार पर इश्क क्या है ये पता जिनको नहीं है आजतक वो भी गुज़लें कह रहे हैं इश्क, उफ़्त प्यार पर दर्द अपने खुद समेटे, होट सिलकर चुप रहो फ़र्क़ कुछ पड़ना नहीं है देखिए संसार पर आपका बस हम था वो कोई रिश्ता नहीं टूट जाता है जो रिश्ता इक ज़रा तकरार पर मर्द खुद को कह रहे हो आप जाने क्यूँ भला जुर्म होते देखकर भी चुप रहे लाचार पर। - **मित्र गाज़ियाबादी**

क्रिकेट पूरी तरह सड़ा है इसमें कोई

क्रिकेट पूरी तरह सड़ा है इसमें कोई ग्रह-नक्षत्र व भविष्यवाणी काम नहीं करती अपनी उर्जा व समय बर्बाद न करें।(जिस प्रकार अलग-अलग रत्न भाग्य बदल देते हैं उसी प्रकार पिच की मिट्टी भी टीम का भाग्य बदल देती है पढ़ना है तो पिच पढ़ो और भविष्यवाणी करो। अथः क्रिकेट पुराण सम्पूर्णम दूर बैठ कर आनन्द लें। - **नवीन शंकर शर्मा**

महाशिवरात्रि: सुर-असुर के देव शिव के शस्त्र-श्रृंगार

भारतीय पर्वों में महापर्व का दर्जा महाशिवरात्रि को प्राप्त है। प्रत्येक वर्ष फाल्गुन माह की चतुर्दशी तिथि पर इस पर्व को मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी दिवस पर शिवजी ने वैराग्य का त्याग किया और पार्वती के संग विवाह करके गृहस्थ जीवन आरंभ किया था।ऐसी मान्यता है कि सृष्टि का प्रारंभ भी इसी दिवस से हुआ था।

शिव जी को आदि देव भी कहा जाता है।आदि का अर्थ है आरंभ।उन्होंने ही जनजीवन का निर्माण संरक्षण और संहार का कार्य किया।सुर- असुर दोनों के प्रिय हैं शिव। इसलिए उन्हें देवों के देव महादेव कहते हैं। प्रेम और क्रोध दोनों ही उनके भीतर चरम में समाया हुआ है।वे ऐसे देव है जो कि रावण को भी और राम को भी वरदान देते हैं। सृष्टि के शिव भक्तों में गिरिजन वनवासी समाज इन्हें ब्रूह्मदेव के रूप में सर्वोच्च देव मानता आया है।

भोलेनाथ जिन्हें त्रिलोकी नाथ भी कहा जाता है, निर्विकार निष्काम है।एक लोटा जल,धतूर,बेल पत्र जैसे साधारण सहज उपलब्ध वस्तुओं से ही भोलेनाथ प्रसन्न हो जाते हैं। बड़े-बड़े राक्षसों का वध करके संसार में सुख समृद्धि को बनाए रखने का दायित्व निर्वहन करने वाले भगवान शिव के अस्त्र-शस्त्र और श्रृंगार बड़े ही अनूठे हैं।

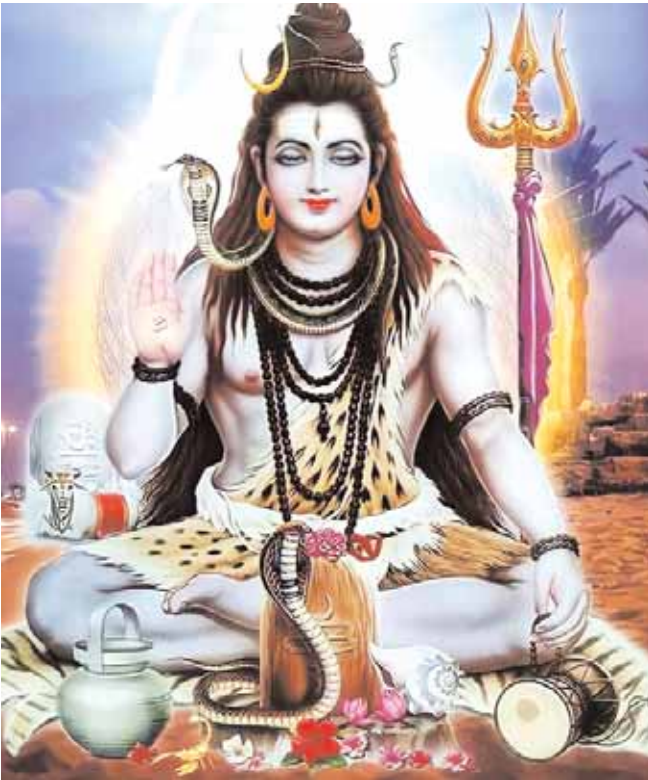
सिर पर चंद्रमा है सुशोभित

भगवान शिव के माथे पर त्रिपुंड चंद्रन टीका तथा सिर पर अर्ध चंद्र सुशोभित है।इसलिए उन्हें चंद्रमौली भी कहा जाता है।पौराणिक कथानुसार महाराजा दक्ष की सताईस कन्याओं का विवाह चंद्रमा के साथ ही हुआ था,पर चंद्रमा का पवित्र प्रेम रोहिणी के साथ था।इसकी जानकारी पाने पर क्रोधित होकर दक्ष ने चंद्रमा को क्षय रोग ग्रस्त होने का श्राप दे दिया था। इस श्राप से मुक्ति पाने में भगवान शिव की घोर तपस्या की।जिससे प्रसन्न होकर शिव जी ने चंद्रमा को क्षय रोग से मुक्त करके साथ सदा सदा के लिए अपने माथे पर सुशोभित किया।

शेर की खाल का आसन

महाशक्तिशाली जीव शेर की खाल को भगवान शिव अपने आसन और वस्त्र के रूप में धारण करते हैं।इसके पीछे यह संकेत निहित है कि वे परमवीरता,पुरुषार्थ और दयालुता के देव हैं। हिमशिखर पर्वतों में निवासरत गिरिजन कड़कड़ाती ठंड से बचने जीव जंतुओं की खाल को धारण करते हैं,भोले को भी शेर की खाल उढकता से सुरक्षित रखता है।

पूजा अनुष्ठान के दौरान भक्तों का संपर्क धरती से निषिद्ध माना गया है। इसीलिए पुष्प प्रसाद यदि धरती पर गिर जाते हैं तो उन्हें प्रभु को अर्पित नहीं किया जाता। इसी धार्मिक मान्यता अनुसार सीधे धरती पर बैठने के बजाए बाघ- हिरण जैसे प्राणियों की खाल को शिवभक्त आसनी के रूप में



उपयोग करते हैं।

गले का आभूषण है सर्प

देवाधिदेव महादेव के गले में आभूषण की तरह लिपटे हुए नाग सर्प दिखाई देते हैं। जिनका नाम राज वासुकी है। वे शिव जी के परम भक्त थे। जब सागर का मंथन हुआ तो सुर और असुरों के हाथों में रस्सी बनकर नागराज वासुकी ने हों समुद्र मंथन का कार्य किया था। तब शिव जी ने उन्हें सदा सदा के लिए अपने गले का आभूषण रहने का वरदान देकर धारण किया। शिव के गले में 108 मुंडमाला भी गहनों की तरह सुशोभित होते हैं। रुद्राक्ष की माला भी शिव जी के गले में सुशोभित होते हैं।

त्रिदेव शक्ति युक्त त्रिशूल

भगवान शिव का त्रिनेत्र ही उनका सबसे बड़ा अस्त्र है। उनके प्रमुख अस्त्र शस्त्र में धनुष 'पिनाक' चक्र 'भवरेंद्र तथा तीर की तरह दिखने वाला महाविध्वंशक शस्त्र 'पाशुपतास्त्र' और रुद्रास्त्र हैं। जिन्हें असुरों अत्याचारियों का वध करने के लिए विष्णु, दूर्गा, श्री राम,अर्जुन आदि को उन्होंने प्रदान कर दिया था।

वे केवल त्रिशूल धारण करते हैं।शास्त्रानुसार यह दैहिक,भौतिक और दैविक कष्टों का निवारक है।सृष्टि की संरचना के साथ तम,रज और सत गुणों की भी उत्पत्ति हुई है।इनमें संतुलन बनाए रखने हेतु त्रिशूल के रूप में शिवजी ने इन्हें धारण किया। त्रिदेव की शक्तियों का प्रतीक त्रिशूल को माना जाता है। इसके तीन नोक को क्रमशः निर्माण (ब्रह्मा) संरक्षण (विष्णु) और संहार (शिव) प्रतीक माना जाता है।

वाद्ययंत्र डमरू धारी

भगवान शिव के हाथ में वाद्य यंत्र डमरू भी सदैव दिखाई देता है?। रेत घड़ी की बनावट सदृश आदि वाद्य यंत्र डमरू सकारात्मक ऊर्जा का संचालक है।इसलिए डमरू को घर पर रखना शुभ माना जाता है।शास्त्रोक्तानुसार सृष्टि में विद्या देवी सरस्वती के प्रकाट्य के साथ ही उनकी वीणा से ध्वनि की उत्पत्ति हुई।जिसे संगीतमय बनाने के लिए लय,ताल,सुर को समाहित करने का कार्य शिव वाद्ययंत्र डमरू ने किया। अपने नटराज रूप में भगवान शिव डमरू वादन करते हुए नृत्य करते परिलक्षित होते हैं।

शिव श्रृंगार -पूजा में वर्जित

भगवान शिव वनस्पतियों के देव कहे जाते हैं ।वे भांग धतूरा,शमी,मदार,बिल्वपत्र कनेर,चिटचिड़ा, के श्रृंगार से गदगद होते हैं।उनकी पूजा में केतकी पुष्प,नारियल का पानी,हल्दी,कुमकुम,काला तिल का उपयोग वर्जित है।शिवपूजन के समय शंख भी नहीं बजाया जाता है।

सर्वशक्तिमान होने के बावजूद सहज बनकर रहने और शक्ति का सदुपयोग असुर प्रवृत्ति को आमूलचूल उखाड़ फेंकने का संदेश भगवान शिव देते हैं। महाशिवरात्रि पर उनके गुणों का अनुसरण ही उनकी सच्ची आराधना होगी।ओम नमः शिवाय।

अपनी आंखों से युद्ध देख रहा था



कार-मोटर साइकिल की जबरदस्त टक्कर, लगी आग चालक की मौत

कांकेर/नवप्रदेश। मंगलवार को बायपास सड़क मार्ग स्थित कोड़ेजुंगा चौक पर रायपुर से कांकेर एक कार्यक्रम में शामिल होने आ रहा परिवार की वाहन मोटर सायकिल से टक्कर होने से मोटर सायकिल जलकर खाक हो गई तथा मोटर सायकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई इधर चार पहिया वाहन में सवार लोगों की सीट बैलून खुल जाने से किसी प्रकार की कोई आहत नहीं हुई और सभी सुरक्षित है। वहीं



वाहन से टकरा गया वाहन से टकराने के बाद वाहन करीब दस



फ्रीट ऊपर से नीचे गिरी और जबरदस्त टक्कर के चलते दोपहिया

बायपास सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हुई है मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

मनीष नागर, थाना प्रभारी, कोतवाली कांकेर

वाहन में आग लग गई। देखते ही देखते बाइक जलकर खाक हो गई इधर बाइक चालक की जबरदस्त भिंडत में मौके पर मौत हो गई। बाइक की पूरी तरह जल जाने के कारण बाइक का नंबर सहित पहचान नहीं हो सकी है।रायपुर से वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं

वाहन और बाइक की टक्कर के बाद वाहन में लगी सुरक्षा बैलून समय से खुल जाने से वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित रहे।हादसे के फैरन बाद कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक को जिला अस्पताल भेजकर आगे की कार्यवाही में जुटी हुई है।

एनएमडीसी बचेली में राजभाषा तकनीकी सेमिनार का आयोजन

बचेली/नवप्रदेश। एनएमडीसी बीआईओएम, बचेली कॉम्प्लेक्स में राजभाषा तकनीकी सेमिनार का आयोजन सोमवार को संपन्न हुआ। बचेली परियोजना प्रमुख बी वेंकटेश्वरलु के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस निगम स्तरीय राजभाषा तकनीकी सेमिनार में एनएमडीसी की विभिन्न परियोजनाओं से प्रतिभागी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बचेली प्रतिबिंब पत्रिका का विमोचन किया गया। परियोजना द्वारा निर्धारित दो तकनीकी विषयों पर आयोजित किए गए इस राजभाषा सेमिनार में कुल 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बी वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक ने अपने उद्बोधन में सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए इस आयोजन को राजभाषा के साथ-साथ तकनीकी क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण आयोजन बताया।कार्यक्रम के स्वागत उद्बोधन में महेश नायर, महाप्रबंधक कार्मिक सह सर्वकार्यभारी अधिकारी (राजभाषा) ने मुख्य अतिथि व विभिन्न परियोजनाओं से पथारे आलेखदाताओं का स्वागत करते हुए पूर्व के वर्षों में आयोजित तकनीकी सेमिनारों की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन सौरभ कुमार, उप महाप्रबंधक (कार्मिक) ने एवं कार्यालय अधिकाारी तीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिकसोड के सहायक शिक्षक विवेक एक्का को मतदान पश्चात मतदान सामग्री वापसी के दौरान सिर्फ मतपेटी जमा कर अन्य निर्वाचन सामग्री संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज जमा नहीं किए जाने व निर्वाचन सामग्री के साथ अनुसर्पिस्थ रहने तथा दूसरे दिन 24 फरवरी को प्रातः साढ़े आठ बजे तक निर्वाचन सामग्री संग्रहण केंद्र में जमा नहीं किया गया। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही को दर्शाता है।उक्त कृत्य कदाचरण एवं छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के विपरित है। उक्त कार्य के लिए चारों शिक्षकों को निर्लंबित किया गया है। निर्लंबन अवधि के दौरान कार्यालय खंड शिक्षा अधिकारी भानुव्रतापपुर मुख्यालय होगा। निर्लंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी

बाल श्रम अपराध कार्यवाही टीम गठित

कांकेर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग द्वारा बाल एवं किशोर श्रम के उन्मूलन की दिशा में बचाव अभियान कार्यक्रम अनुसंधान और तथ्य-खोज अध्ययन आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर रहा है। इन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ते हुये 31 मार्च 2025 तक बाल श्रम (प्रतिशोध व विनियमन) अधिनियम 1986 बालक एवं कुमार श्रम (प्रतिशोध व विनियमन) अधिनियम 1986 यथा संप्रोक्षित 2016 के भाग-2, धारा-2 उर्खेत्रित अनुसूची अनुसार घरेलु श्रमिकों अथवा नौकरापाह के रूप में बच्चों का नियोजित तथा कारखाना, होटल एवं छावा, रेस्टोरेंट,घरेलु कामगार, ईंट भट्ठा एवं चूआ परेल, ऑटो मोबाईल वर्कषाप एवं गैजज आदि में बच्चों के नियोजन का प्रतिबन्धित करने कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा बाल श्रम उन्मूलन का आयोजन हेतु जिला स्तरीय दल गठित कर जिले के विभिन्न संस्थानों में बाल व किशोर श्रमिक निरीक्षण, परिक्षण किया जा रहा है।जिला स्तरीय गठित टीम में श्रम निरीक्षक, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, उप निरीक्षक जिला बाल अपराध शाखा, पुलिस विभाग ए.पी.सी. जिला शिक्षा अधिकारी एवं प्रभारी चार्डल्टड लाईन कांकेर इत्यादि सम्मिलित है।

कलेक्टर ने जनदर्शन से जुड़े प्रकरणों के समुचित निराकरण पर दिया गया जोर

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। बैठक में नियद नेल्हनार योजना की एंटी, सेचुरेशन, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रशिक्षण प्रारम्भ करने के लिए उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग, वन विभाग, मछली पालन विभाग को वीटीपी रजिस्ट्रेशन कराने, आरएमएमएसए के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्य, जिले में पीएम श्री स्कूलों के मॉनिटरिंग, धरती आवा जनजाति ग्राम आदर्श उत्कर्ष अभियान अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के क्रियाचयन, राज्य में 06 वर्ष तक के बच्चों का 100 प्रतिशत आधार कवरेज सुनिश्चित करना एवं पोषण टैकर पोर्टल में आधार अपडेट करने, आवासीय विद्यालय पोटाकेबिन मरम्मत कार्य (जनपद पंचायत दंतेवाड़ा, जनपद पंचायत गीदम, जनपद पंचायत कटेकल्याण, जनपद पंचायत कुआकोंड, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग), आस्था किरन्दुल की प्रगति, आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु जिले में विशेष अभियान के तहत कैम्प लगाकर कार्य किये जाने, छत्तीसगढ़ राज्य में कृषक पंजीयन अभियान सीएससी द्वारा संचालन एवं भुगतान किये जाने, सभी विभागों एवं कार्यालयों में 31 मार्च 2025 तक ई-ऑफिस प्रणाली में स्थानांतरित जैसे साप्ताहिक समय सीमा बिन्दुओं पर कलेक्टर द्वारा दिया निर्देश दिए गए।

परिषद की शपथ के पहले शहर में चला बुलडोजर

✽ मुख्य सड़क के बीच से दोनों ओर 10-10 मीटर दायरे चिन्हत कर हटवाया जा रहा अतिक्रमण

✽ भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच पाथवे व नाली निर्माण की गति देने प्रशासन की कायापद



विरोध के बाद आखिरकार तोड़फेड़ की कारवाई शुरू की गई। इस बीच सत्ता पक्ष का कोई बड़ा जनप्रतिनिधि भी सामने आकर विरोध जताते व्यापारियों के पक्ष में खड़ा होता नजर नहीं आया। मुख्य सड़क में आज सुबह से ही पीडब्ल्यूडी, नगर पालिका व राजस्व अमला भारी पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाते नजर आए। राजस्व अधिकारी व पटवारियों ने मुख्य सड़क के बीच से दोनों ओर 10-10 मीटर के दायरे को चिह्नित कर निशान लगाया जिसके बाद बुलडोजर से अतिक्रमण तोड़ा गया। बुलडोजर निर्माण वर्तमान में चल रहा है। अभी कार्य आधा ही हुआ है इसी कार्य को पूरा करने के लिए नाली

के उपर अतिक्रमण को हटाने के लिए जगह को खाली कराया जा रहा है। बता दें कि 31 जनवरी 2016 में भी भाजपा सरकार के दौरान दंतेवाड़ा में तालाब किनारे के माईजी की जगह पर वर्षों से बने करीब 56 दुकानों को बुलडोजर लगाकर तोड़ दिया गया था उस दौरान भी इस कारवाई का जबरदस्त विरोध हुआ था। दंतेवाड़ा विधायक एवं कई बड़े कांग्रेसी नेताओं ने अपनी गिरफ्तारी भी दी थी। आज 10 साल बाद एक बार फिर से उसी तर्ज पर नगर के मार्केट में तोड़फेड़ हो रही है हालांकि इस कार्य में किसी का दुकान नहीं तोड़ा जा रहा है मगर फूटपाथ बनाने के चक्कर में कई व्यापारियों के दुकानों को अच्छा खासा नुकसान उठाना पड़ रहा है। फ्लिहाल प्रशासन इस मामले में किसी भी तरह की कोई ढील व्यापारियों को देने के मूड में नहीं दिख रही। आगे व्यापारी इस मामले में क्या रूख अपनाते हैं ये देखने वाली बात होगी।

नितिन पोटाई ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

✽ फंड मुशियां को जन घोषणा अनुरूप 25000 देने की मांग

कांकेर/नवप्रदेश। राज्य अजला आयोग के पूर्व सदस्य और जिला वनोपज सहकारी संघ कांकेर के अध्यक्ष नितिन पोटाई ने छ.ग. के मुख्यमंत्री विष्णुसाय को पत्र लिखकर तेन्दूपत्ता फहमुशियों को घोषणा अनुरूप उनके कमीशन के अतिरिक्त 2500 वार्षिक मानदेय दिये जाने हेतु मांग किया है।अपने लिखे पत्र में नितिन पोटाई ने उल्लेख करते हुए कहा कि फहमुंशी वनोपज के संग्रहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है उनके द्वारा न केवल वनोपज संग्रहण के कार्य को पूरा किया जाता है वरन् संग्रहकों को बीमा उनके पुत्र-पुत्रियों को छात्रवृत्ति तथा सर्वे जैसा कार्य भी किया जाता है। फह मुंशी लघु वनोपज संग्रहण में रीढ़ के हड्डी के समान होता । अतः इनके



आदिवासी वर्ग के है। जिनके आर्थिक व सामाजिक उन्नति के लक्ष्य के पूर्ति में भी फह मुंशी सहायक सिद्ध हो रहे है। नितिन पोटाई ने आगे कहा कि भाजपा द्वारा छ.ग. के विधानसभा चुनाव 2023 के अपने चुनावी घोषणा पत्र में छ.ग.में भाजपा की सरकार बनने पर तेन्दूपत्ता फहमुशियों को उनके कमीशन के अतिरिक्त 25,000 वार्षिक मानदेय राशि दिये जाने की घोषणा की गई थी।

वर्तमान में छ.ग. में भाजपा की सरकार बने हुए एक वर्ष ज्यादा हो चुका है। लेकिन फहमुशियों को कमीशन के अतिरिक्त 25000 वार्षिक मानदेय नहीं दिये जाने से रोष उत्पन्न हो रहा है। प्रदेश के फह मुंशी समय पर मानदेय नहीं मिलने से शाखकर्तन जैसे महत्पूर्ण कार्य को करने से कतरा रहे है जिससे तेन्दूपत्ता उत्पादन घटने की संभावना है जिसका सीधा असर सरकार के साथ साथ संग्रहकों नुकसानी के तौर पर देखा जा सकता है।अतः सरकार प्रदेश के तेन्दूपत्ता फह मुशियों के कार्यों के मूल्यांकन के आधार पर जनघोषणा अनुरूप प्रदेश के 11,000 हजार तेन्दूपत्ता फहमुशियों को कमीशन के अतिरिक्त 25,000 हजार रुपये वार्षिक मानदेय देने हेतु तत्काल आवश्यक कार्यवाही करें।

ब्रह्माकुमारीज संस्था ने नवनिर्वाचित नगरपालिका सदस्यों का किया सम्मान

कांकेर/नवप्रदेश। पंडरीपानी में स्थित ब्रह्माकुमारीज संस्था प्रांगण में नगर पालिकाके सभी नव निर्वाचित सदस्यों को सम्मानित करने के लिए,आमंत्रित किया गया था।जिनका संस्था की संचालिका और भाई बहनों द्वारा विधिपूर्वक तिलक पुष्प माला बैज और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया, इस अवसर पर संयुक्त ठाकुर ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

कुमारी खोमिया मोंद्र ने स्वागत नृत्य किया, और निर्मला नायक ने शिव गीत गाते हुए सम्मान के साथ अग्रिम त्रिमूर्ति शिव जयंती भी मनाई गई।सभी अतिथियों ने शिव ज्योतिर्लिंग पर पुष्प अर्पित किया और दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया केक कटिंग किया शिव ध्वज लहराया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक ने शिव जयंती की सबको बधाई देते हुए, कहा आप सभी ने मुझ पर विश्वास करके मेरा चुनाव किया है मैं आश्वासन देता हूं मैं अपने सदस्यों के साथ मिलकर कांकेर को बेहतर बनाने का पूरा



किया है मैं आश्वासन देता हूं मैं अपने सदस्यों के साथ मिलकर कांकेर को बेहतर बनाने का पूरा

सफलता के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी टीम बधाई और अभिनंदन की पात्र हैं। मध्यप्रदेश में इस समिट में हुए एमओयू जल्द ही मूर्त रूप लेकर प्रदेश के विकास को गति प्रदान करेंगे।

मध्यप्रदेश में किया गया प्रयोग सम विकास के लिये आवश्यक केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. द्वारा किया गया रीजल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का प्रयोग सफल रहा। सम विकास के लिये ऐसे प्रयोग कर सकते हैं। प्रत्येक क्षेत्र में अलग तरह का निवेश संभव होता है। मध्यप्रदेश में फिजीकल पोर्टेशियल, सेक्टरल और ग्लोबल पोर्टेशियल के मार्ग प्रशस्त हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की भावना के अनुरूप मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण कार्य हो रहा है।

मध्यप्रदेश तेजी से औद्योगिक विकास की उपलब्धि प्राप्त करेगा।

बंदियों ने शासन और जेल प्रशासन का जताया आभार

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। जिला जेल दंतेवाड़ा से प्राप्त जानकारी अनुसार गृह मंत्री विजय शर्मा एवं जेल मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार 25 फरवरी 2025 को जिला जेल दंतेवाड़ा में परिरुद्ध बंदियों हेतु कहाकुंभ प्रयागराज से लाये गये गंगाजल से स्नान की सुविधा उपलब्ध करारकर उन्हें आध्यात्मिक शुद्धि का अवसर प्रदान किया गया। इसके लिए जिला जेल की दो पानी टंकियों को साफ-सफाई कर फूलों से सजाया गया तथा गंगाजल की पूजा अर्चना कर पानी की टंकी में प्रवाहित किया गया। तत्पश्चात् लगभग 460 बंदियों द्वारा जयकारा लगाते हुये पूरे हर्ष एवं उत्साह के साथ गंगा स्नान किया गया। चूँकि संस्कार और संस्कृति

ब्रह्माकुमारीज संस्था ने नवनिर्वाचित नगरपालिका सदस्यों का किया सम्मान

किसी भी प्रकार की समस्या अगर आती है उसका हम जरूर निराकरण करेंगे आप हमारे पास अपनी बात रख सकते हैं।हम अपने वादों पर खरे उतरेंगे आपने हमें अवसर दिया है उसके लिए धन्यवाद विशिष्ट अतिथि मांझापारा वार्ड के पार्षद हितेंद्र खटवानी ने और संजय नगर वार्ड के पार्षद मोहम्मद सलीम मेमन ने भी अपने साराधित सुविधा रखे और आश्वासन दिया कि हम अच्छे कार्य करेंगे।

कांकेर जिले की संस्था प्रमुख

आज सम्पन्न समिट में 200 से अधिक संस्थानों के प्रतिनिधि, 60 देशों के प्रतिनिधि और ब? संख्या में प्रतिभागी शामिल हुए। कई विभागीय सम्मेलन और सेक्टरल सत्र भी समिट में सम्पन्न हुए हैं। यह मध्यप्रदेश की ग्लोबल उपस्थिति का परिचायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 100 से अधिक एक्सपर्ट्स और उद्योगपतियों सहित करीब 25000 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इसमें 60 से अधिक देशों के निवेशक डेलीगेट भीोपाल आए। जीआईएस करीब 5000 बिजनेस-टू-बिजनेस और 600 जिननेस-टू-गवर्नमेंट मीटिंग्स आयोजित हुईं। उन्होंने बताया कि अब तक सरकार को 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपए हैं। अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। विभिन्न एमओयू साइन किये गये। प्रदेश सरकार अपने प्रयासों को धरातल पर उतरने के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में

बीके रामा दीदी ने नगर पालिका अध्यक्ष और सभी पार्षद गणों का ब्रह्माकुमारीज संस्था की ओर से, अभिनंदन करते हुए बधाई दिया, और अपने दिया उद्बोधन में कहा हम सभी एक परमात्मा के बच्चे भाई-भाई हैं हमें सबके प्रति अच्छी भावना रख कर चलना है, हमें हर समय ईश्वर की याद में रहकर कार्य करना है इससे हमारा हर कार्य बेहतर होगा वह हमारा पिता है और पिता से मांगा नहीं जाता है अधिकार से लिया जाता है।

कांकेर/नवप्रदेश। पैराडाइज स्कूल में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

इस प्रतियोगिता में औरेंज हाउस से आयुष राय, एकलव्य सिन्हा, अरिंया परवीन, मानसी पटेल, मानवी हिड्को, फरगुन कौर, ग्रीन हाउस से ओमेन्द्र यादव, वैभवी मिनपाल, जनार्दन कुंभकार, रिंशेश पटेल, मो. अतिफ जिसमें औरेंज हाउस विनर रहा इस प्रतियोगिता में सात राउंड में 28 प्रश्न पूछे गये जिसमें औरेंज हाउस के विद्यार्थियों ने अधिक प्रश्नों के सही जवाब दिये। द्वितीय स्थान ग्रीन हाउस तथा तृतीय स्थान पर रेड हाउस रहा। विजेता हाउस

के छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में औरेंज हाउस से आयुष राय, एकलव्य सिन्हा, अरिंया परवीन, मानसी पटेल, मानवी हिड्को, फरगुन कौर, ग्रीन हाउस से ओमेन्द्र यादव, वैभवी मिनपाल, जनार्दन कुंभकार, रिंशेश पटेल, मो. अतिफ जिसमें औरेंज हाउस विनर रहा इस प्रतियोगिता में सात राउंड में 28 प्रश्न पूछे गये जिसमें औरेंज हाउस के विद्यार्थियों ने अधिक प्रश्नों के सही जवाब दिये। द्वितीय स्थान ग्रीन हाउस तथा तृतीय स्थान पर रेड हाउस रहा। विजेता हाउस

इस प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का



न्यूज गैलरी

सिम खरीदने से पहले जरूर जाने ये जानकारी, नहीं तो लगेगा 2 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली । साइबर फॉड पर लगाम लगाने के लिए टेलीकॉम इंडस्ट्री ने सिम कार्ड से जुड़े कई बदलाव किए हैं। जो कि लागू भी कर दिए गए हैं। नियमों के मुताबिक अगर आप अपने आधार कार्ड से कई सिम लेते हैं तो आपको लाखों रुपए का जुर्माना भी लग सकता है। सिम कार्ड को बेचने के लिए सरकार ने रिटेलर्स के लिए नए नियम जारी कर दिए हैं। अब रिटेलर्स को इस प्रक्रिया का पालन कर ही सिम कार्ड बेचना होगा। ग्राहक के नाम पर कितने सिम कार्ड कनेक्शन हैं, इसकी जांच करनी होगी। साथ ही अगर ग्राहक ने अलग-अलग नाम से कनेक्शन लिए हैं, तो उसकी भी जांच अब की जाएगी। इसके साथ ही ग्राहक की फोटो भी अब 10 अलग-अलग एंगल से लेनी होगी। नियमों के अनुसार, एक व्यक्ति अपने आधार से सिर्फ 9 सिम खरीद सकता है। 9 से ज्यादा सिम कार्ड रखने पर पहली बार उल्लंघन करने वाले पर 50,000 रुपये और बार-बार उल्लंघन करने वालों के लिए 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इसी के साथ गलत तरीके से सिम कार्ड लेने पर 50 लाख रुपये तक का जुर्माना और तीन साल की जेल का प्रावधान है।

शेयर बाजार, बड़े उतार-चढ़ाव के साथ शुरु किया कारोबार

मुंबई । शेयर बाजार आज एक बार फिर गिरावट के साथ लाल निशान में खुला। हालांकि, आज बाजार ने मामूली गिरावट के साथ कारोबार शुरू किया। मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 14.11 अंकों की गिरावट के साथ 74,440.30 अंकों पर खुला। वहीं दूसरी ओर, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 36.9 अंकों की गिरावट के साथ 22,516.45 अंकों पर खुला। बताते चलें कि सोमवार को बाजार में भयानक गिरावट दर्ज की गई थी। कल सेंसेक्स 856.65 अंकों के नुकसान के साथ 74,454.41 बंद हुआ। जबकि निफ्टी 242.55 अंक गिरकर 22,553.35 अंकों पर बंद हुआ था। सेंसेक्स की 30 में से 16 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में खुले, जबकि बाकी की 13 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में खुले और एक कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के साथ खुला। इसी तरह, निफ्टी 50 की भी 50 में से 25 कंपनी के शेयर तेजी के साथ हरे निशान में खुले और 24 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में खुले जबकि एक कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के साथ खुला। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 1.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ खुला और टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ खुले।

पेटैएम ने व्यापारियों के लिए भारत का पहला सोलर साउंडबॉक्स लॉन्च किया



जयपुर। पेटैएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) जो भारत की अग्रणी भुगतान और वित्तीय सेवा वितरण कंपनी है तथा क्यूआर कोड, साउंड बॉक्स और मोबाइल भुगतान की अग्रणी रही है, ने व्यापारियों के लिए 'पेटैएम सॉलर साउंडबॉक्स' लॉन्च किया है, जो भारत में अपनी तरह का पहला उपकरण है। यह इन्ोवेशन हल्की धूप में भी जल्दी चार्ज होकर पूरे दिन की पावर प्रदान करता है, जिससे छोटे दुकानदारों और व्यापारियों को बिना किसी परेशानी के भुगतान और विश्वसनीय सेवा मिलती है। भारत में बना यह पेटैएम सॉलर साउंड बॉक्स एक एनवायरमेंट फ्रेंडली समाधान है, जो कम लागत वाले वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत का उपयोग करता है। यह ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के साथ-साथ उन स्थानों में भी व्यापारियों को डिजिटल इकोसिस्टम का हिस्सा बनने में सक्षम बनाता है जहां बिजली की कमी होती है। इसके साथ, पेटैएम व्यापारियों को समर्थन देना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और पूरे देश में स्थायी प्रथाओं को प्रोत्साहित करना जारी रखता है।

कारोबार

सेट्टी ने यह घोषणा एसबीआई ग्रीन मैराथन सीजन 5 कार्यक्रम में की

एसबीआई ने 2055 में अपने शताब्दी वर्ष के लिए नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य किया निर्धारित

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अपने शताब्दी वर्ष 2055 तक उत्सर्जन में नेट जीरो होने का लक्ष्य रखा है। एसबीआई के चेयरमैन चन्नू श्रीनिवासुलु सेट्टी ने हाल ही में यह जानकारी दी। सेट्टी ने यह घोषणा एसबीआई ग्रीन मैराथन सीजन 5 कार्यक्रम में की, जिसे उन्होंने 5 किमी, 10 किमी और 21 किमी कैटेगरी में भाग लेने वाले 10,000 से ज्यादा रनर्स-कम ग्रीन इंडिया एम्बेसडर के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।2018 में अपनी स्थापना के बाद से, एसबीआई ग्रीन मैराथन भारत के मिशन लाइफ = पर्यावरण के लिए जीवन शैली% के प्रति बैंक के ठोस समर्पण का प्रतीक बन गया है। यह बैंक की एक स्थायी भविष्य के लिए इसकी

दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दिखाता है।इस रोमांचक कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अलग-अलग दौड़ की कैटेगरी में बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसमें शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को 21 किमी की दौड़ में 15,000 रुपये, 10,000 रुपये और 7,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। इसी तरह 10 किमी की दौड़ में 10,000 रुपये, 7,000 रुपये और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस द्वारा मैराथन के प्रमाणन ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया, जिससे उन्हें मैराथन समुदाय के भीतर वैश्विक मान्यता मिली।सभी प्रतिभागियों को और अधिक प्रेरित करने के लिए, इस कार्यक्रम में दिगंज धावक विनोद



कुमार शर्मा, बरुन कुमार, विशाक कृष्णस्वामी, आशीष आर्य मौजूद थे। इसके अलावा, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना की भागीदारी इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण थी। मुंबई और जयपुर के बाद, एसबीआई ग्रीन मैराथन 2 मार्च को भोपाल और 9 मार्च, 2025 को दिल्ली में समाप्त होगी।12 शहरों में अपने

काँफी डे के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया फिर से शुरू

एआई के कारण तीन साल में 4,000 छंटनी करेगा डीबीएस



है। इसके लिए श्रमबल बढ़ाने की जरूरत पड़ेगी। राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के सुप्रीम कोर्ट की ओर से निर्धारित 21 फरवरी की समयसीमा के भीतर आदेश नहीं करने के कारण?कैफे काँफी डे शृंखला का स्वागित्व रखने वाली काँफी डे एंटरप्राइजेस लि. (सीडीईएल) के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई है। सीडीईएल ने बताया,

एनसीएलएटी की चेन्नई पीठ ने पिछले सप्ताह अपने निर्लांबित बोर्ड के निदेशक की ओर से दायर अपील पर सुनवाई पूरी कर ली थी और आदेश सुरक्षित रख लिया था।

चूंकि, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार अपील का निपटारा 21 फरवरी, 2025 तक नहीं हुआ है, इसलिए कॉरपोरेट देनदार के कॉरपोरेट दिवालिया समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) पर रोक के संबंध में

एनसीएलएटी के पारित आदेश को निरस्त माना जाता है। इसलिए, कॉरपोरेट देनदार का सीआईआरपी फिर शुरू होता है। एनसीएलएटी ने 14 अगस्त, 2024 को आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज की याचिका पर सीडीईएल के खिलाफ शुरू की गई दिवालिया कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। अगरबीआई ने न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक पर कई प्रतिबंध लगाने के कुछ दिनों बाद शर्तों में ढील दी। इसके तहत, बैंक के ग्राहक 27 फरवरी से अपने जमा खाते से 25,000 रुपये तक निकाल सकेंगे। अगरबीआई ने सोमवार को कहा, प्रशासक के परामर्श से बैंक की नकदी स्थिति की समीक्षा करने के बाद 27 फरवरी से प्रति जमाकर्ता 25,000 रुपये तक की निकासी की अनुमति देने का फैसला लिया गया है। इस कट्ट के साथ, कुल जमाकर्ताओं में 50 फीसदी से अधिक अपनी पूरी शेष राशि निकाल सकेंगे।

भारती एयरटेल और एप्पल की रणनीतिक

एयरटेल वाई-फाई और पोस्टपेड ग्राहकों को मिलेगा एप्पल टीवी+ और एप्पल म्यूजिक का एक्सक्लूसिव ऑफर

नई दिल्ली। भारती एयरटेल और एप्पल ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है, जिसके तहत एयरटेल ग्राहकों को एप्पल टीवी+ और एप्पल म्यूजिक की सेवाएं प्रदान की जाएंगी। 7999 से शुरू होने वाले सभी होम वाई-फाई प्लान्स के ग्राहकों को एप्पल टीवी+ के बेहतरीन कॉन्टेंट का एक्सेस मिलेगा, जिसे वे चलते-फिरते भी मल्टीपल डिवाइसेस पर स्ट्रीम कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, 7999 या उससे अधिक के पोस्टपेड प्लान वाले ग्राहकों को एप्पल टीवी+ की सुविधा मिलेगी और वे 6 महीने तक फ्री एप्पल म्यूजिक का आनंद ले सकेंगे, जिसमें भारतीय और अंतरराष्ट्रीय संगीत का विशाल संग्रह उपलब्ध होगा।

इस रणनीतिक साझेदारी के तहत एयरटेल ग्राहक अब विशेष रूप से एप्पल टीवी+ के प्रीमियम

और आकर्षक ड्रामा, कॉमेडी सीरीज, फ़ीचर फिल्में, डॉक्यूमेंट्रीज़, बच्चों और परिवार के लिए मनोरंजक कॉन्टेंट का आनंद ले सकेंगे। इसके साथ ही, एप्पल म्यूजिक की अंग्रेजी, हिंदी और अन्य भाषाओं में मौजूद अद्वितीय म्यूजिक लाइब्रेरी, एक शानदार ऑडियो अनुभव प्रदान करेगी।

सिद्धार्थ शर्मा - चीफ़मार्केटिंग ऑफिसर और सीईओ डू कनेक्टेड होम्स, भारती एयरटेल ने कहा, "हम एप्पल के साथ इस बड़े बदलाव की शुरुआत करने वाली साझेदारी की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं, जिससे हमारे ग्राहकों को उनकी शानदार वीडियो और म्यूजिक सेवाओं का एक्सक्लूसिव एक्सेस मिलेगा। यह साझेदारी हमारे लाखों होम वाई-फाई और पोस्टपेड ग्राहकों के लिए एक असाधारण मौका है, जिससे उन्हें एप्पल के प्रीमियम कॉन्टेंट का अनुभव मिलेगा। हमें विश्वास है कि यह सहयोग कॉन्टेंट की दुनिया को नए अंदाज में सबके सामने लाएगा और ग्राहकों के लिए मनोरंजन अनुभवों का एक नया मानक स्थापित करेगा।"

यूको बैंक अंचल कार्यालय द्वारा एमएसएमई और एग्री कार्निवल का आयोजन



प्रोत्साहित किया।

आयोजन में अंचल प्रमुख श्रीमती लकी नायक द्वारा एमएसएमई एवं कृषि विभाग के अनेकों ऋा योजनाओ की विस्तृत जानकारी दी गयी।कार्यक्रम में वित्त सचिव श्रीमति शीतल वर्मा जी एवं महाप्रबंधक श्री धीरज पटवर्धन जी के करकमलों द्वारा बैंक के ग्राहकों को ऋा स्वीकृति पत्र प्रदान किया

गया, जिमसे बैंक द्वारा कुल 25.00 करोड़ की लोन स्वकृति की गयी।

रायपुर तथा आसपास के प्रमुख शहरों से आए संस्थागत ग्राहकों ने बैंक के कामकाज तथा व्यवहार की सराहना की। आयोजन में बैंक की अंचल प्रमुख श्रीमती लकी नायक, उप अंचल प्रमुख श्री अमोल बी

खेल

यूपी वॉरियर्स ने सुपर ओवर में आरसीबी को हराया

नई दिल्ली । वूमन प्रीमियर लीग 2025 में 9वां मैच बेहद रोमांचक अंदाज में यूपी वारियर्स वूमन टीम की जीत के रूप में समाप्त हुआ। यूपी वॉरियर्स को यह जीत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सुपर ओवर में मिली क्योंकि दोनों ही टीमों ने 20 ओवरों में 180 रनों का स्कोर बनाया था, जिसके बाद मुकाबला टाई होकर सुपर ओवर में गया।बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में सोफी एक्लेस्टोन ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी दिया गया। वूमने प्रीमियर लीग में लगातार तीन मैच हारने के बाद यह आरसीबी के खिलाफ यूपी वारियर्स की पहली जीत थी।इस मैच में यूपी वॉरियर्स ने 20वें ओवर में तुफानी बॉटिंग करते हुए 17 रन बनाए। यह भी अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है क्योंकि यह महिला प्रीमियर लीग में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है जो जीत या टाई रिजल्ट में बना है। इससे पहले,



2023 में डीवाई पाटिल स्टेडियम में यूपी वारियर्स ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ 19 रन बनाकर जीत हासिल की थी।सोफी एक्लेस्टोन इस मैच में यूपी वॉरियर्स टीम की जीत की सूत्रधार साबित हुईं। उन्होंने केवल 19 गेंदों पर 1 चौके और चार छक्के के साथ 33 रनों की पारी खेली। महिला प्रीमियर लीग में नंबर 9 या

उससे नीचे बॉटिंग करते हुए यह किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे ज्यादा स्कोर है। सोफी एक्लेस्टोन के अलावा एक और दिगंज ऑलराउंडर एलिस पैरी भी इस मुकाबले का हिस्सा थीं। आरसीबी की इस खिताबी नौ नंबर तीन पर 56 गेंदों का सामना करते हुए 90 रनों की तेज पारी खेली। उन्होंने

गेंदबाजी में भी 2 ओवर में 10 रन देकर 1 विकेट लिया। महिला प्रीमियर लीग में पैरी अपनी क्वासि दिखाने में सफल रही हैं क्योंकि यह इस लीग में उनका 7वां अर्धशतक था। महिला प्रीमियर लीग में इतने अर्धशतक केवल दिल्ली कैपिटल्स की मैग लेनिंग ने लगाए हैं। इसके बाद मुंबई इंडियंस की हसमप्रोत कौर का

नंबर आता है जिन्होंने इस लीग में अब तक 6 अर्धशतक लगाए हैं। ताजा हार के बावजूद आरसीबी चार मैचों में दो मुकाबले जीतकर चार अंक और बेहतर रन रेट (+0.619) के आधार पर टॉप पर है। जबकि यूपी वारियर्स वूमन (+0.167) टीम इतने ही मैच जीतकर तीसरे नंबर पर है।

आईपीएल 2025 शुरू होने से पहले चेन्नई ने लिया बड़ा फैसला

चेन्नई। मार्च में शुरू होने वाले आईपीएल 2025 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने बड़ा फैसला लिया है। CSK ने श्रीधरन श्रीराम को सहायक गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। (CSK) में पहले सहायक गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी ड्वेन ब्रावो संभाल रहे थे। लेकिन अब वह कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर बन गए हैं। बता दें कि टीम महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पांच बार आईपीएल का खिताब जीती है। वहीं, श्रीधरन श्रीराम साल 2016 से 2022 तक ऑस्ट्रेलियाई टीम के सहायक कोच थे।

उन्होंने आरसीबी की टीम के साथ बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया। फिर अगस्त 2022 में उन्हें एशिया कप और टी20 विश्व कप से पहले बांग्लादेश का टी20 सलाहकार भी नियुक्त किया गया था। वह बांग्लादेश की टीम के लिए टैक्निकल कंसल्टेंट की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं। अब चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में वह हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग, बैटिंग कोच



माइक हसी के साथ काम करने के लिए उत्सुक होंगे। सीएसके की टीम में रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा और नूर अहमद जैसे स्पिनर्स शामिल हैं। रतुराज गायकवाड़, मथैया पथियान, शिवम दुवे, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी, डेवोन कॉन्वे, राहुल त्रिपाठी, रचिन रवींद्र, आर. अश्विन, खलील अहमद, नूर अहमद, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख रशीद, अंशुल कनोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजपतनी सिंह, नथन एलिस, जेमी ओवरटन, कथलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, थ्रेंस गौपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।



■ न्यूज गैलरी

मध्यप्रदेश : लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग का उभरता मास्टर हब

भोपाल/नवप्रदेश। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के दूसरे दिन ‘लॉजिस्टिक्स- कनेक्टिंग एमपी टू द वर्ल्ड’ सत्र में मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर विशेषज्ञों और अधिकारियों ने औद्योगिक कॉरिडोर, डिजिटल एकीकरण, निवेश अवसरों और लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर अपने विचार साझा किए। मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स इंज अक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स (एलईएडीएस) इंडेक्स में ‘फास्ट मूवर’ के रूप में उभरते हुए इस क्षेत्र में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। नियमों को सरल बनाने, एमएसएमई को बढ़ावा देने और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने से प्रदेश एक लॉजिस्टिक पॉवर हाउस बनाने की ओर अग्रसर है। ऊर्जा दक्षता, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार और अत्याधुनिक तकनीकों के समावेश से मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स सेक्टर में नई संभावनाएँ सृजित कर रहा है।

लॉजिस्टिक्स पॉवर हाउस में बदलता मध्यप्रदेश

सेशन की शुरुआत में एनबीडी विभाग के सचिव, श्री जॉन किंग्सले ने प्रदेश में लॉजिस्टिक्स सेक्टर के मौजूदा परिदृश्य और नए निवेश अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश मजबूत परिवहन नेटवर्क, मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के व्यापक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स का पावर हाउस बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के मध्य स्थित होने की वजह से रोड रेल और एयर कनेक्टिविटी आसान हो गई है। सीईओ एनआईसीडीसी एवं चेयरमैन एनएलडीएसएल, राजत कुमार सैनी ने लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में औद्योगिक कॉरिडोर और डिजिटल टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन की भूमिका पर विशेष संबोधन दिया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स की लागत को प्रभावी बनाने और परिवहन सुविधाओं को डिजिटल माध्यमों से अधिक सशक्त करने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। डब्ल्यूएआईपीए के डिप्टी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री दुर्धंत ठाकौर ने वैश्विक निवेश परिदृश्य और मध्यप्रदेश के लॉजिस्टिक्स उद्योग में निवेश अवसरों पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का रणनीतिक भौगोलिक स्थान और विकसित लॉजिस्टिक्स नेटवर्क इसे वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक बनाता है। द चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्ट इंडिया के सेक्रेटरी जनरल, श्री संजीव गर्ग ने लॉजिस्टिक्स सेक्टर में नवाचार और आधुनि शृंखला की दक्षता बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के

लॉजिस्टिक्स –कनेक्टिंग एमपी टू द वर्ल्ड सेशन में विशेषज्ञों ने किए विचार व्यक्त

प्रदेश को सबसे बड़ी ताकत माइनिंग सेक्टर से मिलेगी : सीएम यादव

भोपाल के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेश का बनेगा रिकॉर्ड

खनिज राजस्व में 5 गुना वृद्धि का लक्ष्य

मध्यप्रदेश में व्यापार और रोजगार की असीम संभावनाएँ

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में निवेश के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को माइनिंग के क्षेत्र में सबसे बड़ी ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि माइनिंग सेक्टर में निवेश की असीमित संभावनाएँ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के माइनिंग सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जहाँ पथर उठाओ तो हीरा मिलता है। उन्होंने कहा कि खनिज राजस्व में 5 गुना वृद्धि का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेश का रिकॉर्ड बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में खनिज के अकूत भण्डार हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हीरे के साथ लाइम स्टोन, डोलोमाइट, सीमेंट, कॉपर, मैंगनीज और रॉक फास्फेट जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में सभी विभागों के समन्वय से खनन की सरल एवं लचीली नीति बनायी गयी है। उन्होंने कहा कि इन नीतियों से निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश करने में आसानी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने



कहा कि निवेशकों को नीति से हटकर भी कोई सहयोग की आवश्यकता होगी, तो उसे भी पूरा किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिये नीतियों के बलबूते माइनिंग सेक्टर में बड़ी बढ़त देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम रॉ-मंटेरियल देने के साथ प्रदेश को निर्माण का केन्द्र भी बनायेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश संभावनाओं का प्रदेश है। यहाँ बसने वाले लोग बहुत ही सरल हैं। खनन के क्षेत्र में कार्य करने वाले निवेशकों को पूरा सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम भारत सरकार के माध्यम से भी खनन के क्षेत्र में पॉलिसी बनाकर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देश में खनिज के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे प्रदेश के भू-गर्भ में छिपे खजाने को

बाहर लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जीआईएस के बाद माइनिंग के लिये पृथक से भी समिट आयोजित की जायेगी।

सचिव, खान मंत्रालय श्री बी.एल. कांताराव ने कहा कि भोपाल का ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अभी तक का सबसे बेहतरीन आयोजन है। उन्होंने कहा कि इस बार की समिट में माइनिंग में बड़े उद्योगपतियों ने सहभागिता की है। इससे मध्यप्रदेश में खनिज की संभावनाएँ बड़ी हैं। केन्द्रीय सचिव, श्री कांताराव ने कहा कि केन्द्र सरकार के खनिज में 4 विभाग हैं, जिनमें कोल, एटॉमिक, पेट्रोलियम, नेचुरल रिसोर्स और मिनिस्ट्री ऑफ माइंस हैं।

इन सभी मिनरल्स की मध्यप्रदेश में बहुतायत है। श्री कांताराव ने कहा कि देश में सबसे ज्यादा माइन्स मध्यप्रदेश में हैं। उन्होंने कहा कि हर 4 माइन्स में से एक माइन्स प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि खनिज का सबसे ज्यादा ऑक्शन करने वाला राज्य मध्यप्रदेश है। उन्होंने कहा कि देश की जियो लॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया कम्पनी 175 वर्ष पुरानी है, जिसने माइनिंग सेक्टर में अपार डेटा इकट्ठा किया है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि डेटा स्टडी कर खनिज के क्षेत्र में कार्य करें। केन्द्रीय सचिव श्री कांताराव ने कहा कि माइनिंग के क्षेत्र में एक्सप्लोरेशन के लिये सरकार 100 प्रतिशत आर्थिक सहायता देगी। इसके साथ ही सरकार नई नीति के अंतर्गत एक्सप्लोरेशन कम्पनी को लागत का 50 प्रतिशत रिस्क कवर करेगी। केन्द्रीय सचिव श्री कांताराव ने कहा कि ओवर डम्प और रिसाईकलिंग के लिये विशेष प्रावधान किये जा रहे हैं। इससे कम्पनियों को सहायता मिलेगी और निवेश

मिलेगा। प्रमुख सचिव, खनिज श्री उमाकांत उमराव ने कहा कि मध्यप्रदेश में खनिज क्षेत्र में असीमित संभावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे खनिज हैं, जो मध्यप्रदेश में ही पाये जाते हैं। सभी क्षेत्रों में खनिजों के अपार भण्डार हैं। इसके समुचित उपयोग के लिये प्रदेश में एक बेहतरीन ईको सिस्टम भी है। प्रमुख सचिव श्री उमराव ने निवेशकों से कहा कि प्रदेश में सड़क, बिजली, पानी, हवाई कनेक्टिविटी बहुत बेहतर है और यहाँ पर क्रिटिकल मिनरल्स भी बड़ी मात्रा में पाये जाते हैं। प्रमुख सचिव श्री उमराव ने कहा कि मध्यप्रदेश खनिज सम्पदा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। खनन एवं खनिज आधारित उद्योगों के लिये अत्यधिक संभावनाएँ प्रदान करता है। मध्यप्रदेश में विविधतापूर्ण खनिज पूरे राज्य में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य का देश में कॉपर, मैंगनीज और हीरा उत्पादन में पहला, रॉक फास्फेट के उत्पादन में दूसरा, लाइम स्टोन के उत्पादन में तीसरा और कोयला उत्पादन में चौथा स्थान है। उन्होंने कहा कि राज्य में देश के कुल भण्डारण का 36 प्रतिशत कोल बेण्ड मीथेन के उत्पादन में राज्य का देश में दूसरा स्थान है। उन्होंने कहा कि खनिजों का पता लगाने का कार्य लगातार जारी है। वर्ष 2024-25 में अब तक 73 में से 62 ब्लॉक की नीलामी की जा चुकी है। प्रमुख सचिव श्री उमराव ने कहा कि राज्य में खनिज उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये कई नीतिगत पहल की हैं। उन्होंने निवेशकों से कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश करने का उचित समय है। उन्होंने सभी निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिये प्रेरित किया।

ज्वाइंट सेक्रेटरी कोल्स श्री भवानी प्रसाद पाटी ने कहा पॉवर सेक्टर में कोल बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है। ऊर्जा के नवीन स्रोतों के बावजूद भी लगभग 20 वर्षों तक कोयले के जरिये ऊर्जा को आवश्यकता होगी। उन्होंने निवेशकों से कोल सेक्टर में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया। श्री पाटी ने कहा कि मध्यप्रदेश में शहडोल और छिंदवाड़ा में कोल सेक्टर में अनंत संभावनाएँ हैं।

एमओयू हुए हस्ताक्षरित

मध्यप्रदेश सरकार, एमपीएसएमसीएल और हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ। मध्यप्रदेश सरकार, एमपीएसएमसीएल और हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड एनएमईटी फण्ड का प्रयोग कर मध्यप्रदेश में तांबा और रणनीतिक खनिजों की खोज के लिये एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इसमें एचसीएल प्रमुख होगा। अयस्क व्यवहार्यता की पुष्टि होने पर शुरूआती 5 साल की अवधि में सतत विकास के लिये 51*49 संयुक्त उद्यम का गठन किया जायेगा।

जीआईसी भोपाल में पार्टनर डेलोइट श्री राजीव मैत्रा ने मध्यप्रदेश में खनिज क्षमता को अनलॉक करने पर प्रेजेन्टेशन दिया। श्री मनीष माहेश्वरी चेयरमैन इन्वेनरे पेट्रोइलान ने मध्यप्रदेश में हाइड्रोकार्बन मे अवसर होने विषय पर चर्चा की। सीएमडी एमईसीएल श्री इंद्र देव नारायण ने भविष्य की खोजि मांग से निपटने के लिये उन्नत अन्वेषण तकनीक के बारे में बताया। एसबीआई कैप्ट द्वारा एमपी में नीलामी प्रक्रिया का अवलोकन और भारत में महत्वपूर्ण खनिजों का परिदृश्य विषय पर जानकारी दी। समिट में मध्यप्रदेश में अनंत क्षेत्र में अवसरों पर वीडियो का प्रेजेंटेशन दिया गया।

भारत, वैश्विक निवेश के लिये प्रतिनिधि देश है : जैकलीन मुकन्गिरा

भोपाल, मध्यप्रदेश में हुए सत्कार से अभिभूत हूँ : श्री सेबेस्टीयन

फिजी एक छोटा हिन्दुस्तान है : श्री जगन्नाथ सामी

टेक्सटाइल और नवकरणीय ऊर्जा में मध्यप्रदेश की सहभागिता महत्वपूर्ण: सुश्री वेलेंटीन

विश्व सभ्यता को भारत का अमूल्य योगदान : श्री एरिक गुडब्रांड

मध्यप्रदेश में प्रारंभ हुआ विक्रम संवत नेपाल में चलता है : डॉ. शंकर प्रसाद

भोपाल अतुलनीय भारत का हृदय है : श्री केशुशोतो

कट्टी सेशन में विदेशी निवेशकों ने की भारत और मध्यप्रदेश की सराहना

9 देशों के प्रतिनिधियों ने किया संबोधित

भोपाल/नवप्रदेश। भारत वैश्विक निवेश के लिये प्रतिनिधि देश है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विशेष रूप से मध्यप्रदेश में हर क्षेत्र में निवेश के लिये असीम संभावनाएँ बनी हैं। जुलाई 2018 में प्रधानमंत्री श्री मोदी खांडा आए थे। उसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापार, वाणिज्य, उद्योग में सहभागिता ब०ी है। दोनों देशों के मधुर संबंध है। रक्षा, कृषि, अधोसंरचना के क्षेत्र में अधिक संभावनाएँ हैं। खांडा के राष्ट्रपति ने भी 5 बार भारत की यात्रा की है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मैं आभारी हूँ कि उन्होंने हमें आमंत्रित कर हमारे देश का सम्मान ब०या है। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के दूसरे दिन मंगलवार को कट्टी सेशन में खांडा प्रतिनिधि सुश्री जेकलीन मुकन्गिरा ने ये विचार व्यक्त किये। सत्र के दौरान विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रशंसा की तथा

कहा कि हमारा देश भारत और मध्यप्रदेश के साथ व्यापार, वाणिज्य एवं औद्योगिक संबंधों को आगे ब०ना चाहता है। सत्र में 9 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें नावें, जिम्बाब्वे, थाईलैंड, नेपाल, खांडा, पोलैंड, लुसोथो, फिजी और साथ अफ्रीका के प्रतिनिधि शामिल हुए। पौलैंड के प्रतिनिधि श्री सेबेस्टीयन डुबोलेस्की ने कहा कि भोपाल (मध्यप्रदेश) में हुए सत्कार से अभिभूत हूँ। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत में सबकुछ मुमकिन है। गत वर्ष श्री मोदी पौलैंड गये थे। उसके बाद से वहाँ विकास के नए अवसर खुले हैं। पोलैंड में व्यापार और निवेश करना अत्यंत आसान है।

फिजी के प्रतिनिधि श्री जगन्नाथ सामी ने कहा कि भारत के साथ हमारे बहुत अच्छे रिश्ते हैं। फिजी एक छोटा हिन्दुस्तान है। इस रिश्ते की शुरुआत वर्ष 1879 में हुई जब भारत से 60 हजार व्यक्ति गन्ने की खेती करने फिजी आए, उनमें से 40 हजार व्यक्ति यहाँ रह गये। आज भी फिजी की जनसंख्या में 33 प्रतिशत अनिवासी भारतीय हैं। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री मोदी फिजी आए थे। भारत द्वारा फिजी में 100 बिस्तरीय आधुनिक चिकित्सालय बनबाया जा रहा हैकृषि, ऊर्जा, वन, स्वास्थ्य, विनिर्माण, मत्स्य पालन, खनन आदि क्षेत्रों में दोनों के बीच व्यापार व्यवसाय और निवेश की ब०ी संभावनाएँ हैं।

लैसोथो की प्रतिनिधि सुश्री लेबोहेंग वेलेंटीन ने कहा कि टैक्सटाइल और नवकरणीय ऊर्जा में मध्यप्रदेश की सहभागिता महत्वपूर्ण है। नावें के प्रतिनिधि श्री एरिक गुडब्रांड ने कहा कि यह विश्व सभ्यता को भारत का अमूल्य योगदान है। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ की सराहना करते हुए कहा कि विश्व का अद्भुत आयोजन है। मैंने भी गंगा में डुबकी लिक्कर पुण्य लाभ लिया है। जीआईएस में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में अपार संभावनाओं का उल्लेख किया। इस दिशा में हम कार्य करने के इच्छुक हैं। नेपाल के प्रतिनिधि डॉ. शंकर प्रसाद ने कहा कि उज्जैन से विक्रम संवत का प्रारंभ हुआ। आज भी नेपाल में अंग्रेजी (ग्रेगरियन) कैलेंडर नहीं बल्कि विक्रम संवद प्रचलन में है। यह भारतीय संस्कृति के प्रति हमारी अटूट आस्था को प्रकट करता है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग श्री पशुपतिनाथ काठमांडू नेपाल में है। नेपाली और हिन्दी दोनों भाषाएं संस्कृत से निकली है। नेपाल बुद्ध सर्किट, रामायण सर्किट का हिस्सा है और अब शिव सर्किट का भी हिस्सा बनने वाला है।

व्यापार-व्यवसाय में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका : सीएम यादव

मुख्यमंत्री ने सहकारिता के थीमेटिक सेशन को किया संबोधित

मग्न का सीपीपीपी मॉडल देश की सहकारिता में नई क्रांति लायेगा- सहकारिता मंत्री श्री सारंग

सीपीपीपी मॉडल की म.प्र. में शुरुआत

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि व्यापार-व्यवसाय में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। दुग्ध क्षेत्र, पर्यटन, एमएसएमई सहित हर क्षेत्र में सहकारिता का अलग ही महत्व है। सहकारिता के बिना कुछ भी संभव नहीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जीआईएस के दूसरे दिन थीमेटिक सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से आशासन दिया कि जिस क्षेत्र में भी इन्वेस्टर काम करना चाहते हैं, म.प्र. सरकार उनका पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में 19 एमओयू होना क्रांतिकारी पहल है। यह सहकारिता और अर्थव्यवस्था को नया आयाम देने के लिये उपयोगी साबित



होंगे। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट-पार्टनरशिप (सीपीपीपी) मॉडल की घोषणा कर सहकारिता क्षेत्र में सीपीपीपी के तहत कुल राशि 2305 करोड़ रुपये की राशि में 19 एमओयू किये गये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश का सीपीपीपी मॉडल देश की सहकारिता को बदलने का काम करेगा। बिना सहकार के रोजमर्रा की ज़िंदगी नहीं जी सकते। सहकारिता क्षेत्र में बड़े-बड़े उद्योगपतियों को भी जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र का नेटवर्क बहुत

बड़ा है। हर व्यक्ति तक पहुंच बनाने के लिए सहकारिता बड़ा माध्यम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारतऽ2047 के सपने को पूरा करने के लिये सहकारिता को मूल बनाया तो उस ध्येय तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सहकार से ही समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

मंत्री श्री सारंग ने सहकारिता विभाग में निवेश विंग की स्थापना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि निवेश विंग डे-टू-डे काम करेगी। वो स्वयं इसकी मॉनिटरिंग करेगी। उन्होंने जुड़ रहे निवेशकों का धन्यवाद दिया

और नये इन्वेस्टर से जुड़ने का आग्रह किया कि सभी देश और प्रदेश की इकॉनॉमी ग्रोथ में अपना योगदान दें। केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री सिद्धार्थ ने कहा कि सहकारिता हमारा संस्कार है। पुराने समय से ही सहकारिता का अपना अलग महत्व है। उन्होंने बताया कि एक लाख पैक्स देशभर में है और 30 करोड़ की आबादी सहकारिता से जुड़ी हुई हैं। इस अमृतकाल में यही वह क्षेत्र है जो बहुत ज्यादा आगे बड़ सकता है। सहकारिता में पैक्स को कम्प्यूटाइजेशन का काम चल रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं विश्वास करें अगले दो वर्ष में यह समृद्धि के नये कीर्तिमान रचेगी। म.प्र. का नया सीपीपीपी मॉडल को भारत सरकार की ओर से पूरा सहयोग कर आगे बढ़ाया जायेगा। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल ने कहा कि जीआईएस में पहली बार सहकारिता क्षेत्र को जोड़ा गया है। हर क्षेत्र में सहकारिता की समिति हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में एक करोड़ 9 लाख सदस्य है और 16 हजार आउटलेट का नेटवर्क है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि म.प्र. में पैक्स हर जरूरत पूरी करेगी।



भारत सरकार टैक्सटाइल सेक्टर को बढ़ावा देने

के लिये पीएलआई योजना, नेशनल टैक्सटाइल